सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 208 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 12 मई 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

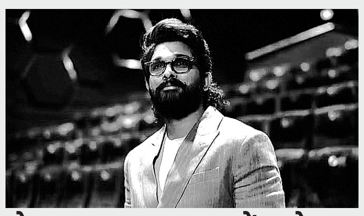

लोकसभा चुनाव प्रचार में उतरे अल्लू अर्जुन को झटका, पुलिस ने दर्ज कर लिया आपराधिक मामला

हैदराबाद (एजेंसी)। दक्षिण भारतीय अभिनेता अल्लू अर्जुन के प्रशंसक उनकी एक झलक पाने को हमेशा बेताब रहते हैं। वह जहां भी जाते हैं उनके पीछे-पीछे उनके प्रशंसकों भी पहुंच जाते हैं। ऐसा ही कुछ हुआ जब वह अपने करीबी दोस्त और वाईएसआरसीपी विधायक रवि चंद्र किशोर रेड्डी के लिए प्रचार करने नंदयाल पहुंचे। उनकी एक झलक पाने को प्रशंसकों का हुजूम उमड़ पड़ा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस मामले में अभिनेता के खिलाफ आईपीसी की धारा 188 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

अल्लू अर्जुन को देखने के लिए रवि चंद्रा के आवास पर बड़ी संख्या में प्रशंसक और समर्थक आए और इससे बड़े पैमाने पर कानून-व्यवस्था और यातायात की समस्या पैदा हो गई, जिससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता अल्लू अर्जुन और रवि चंद्र किशोर रेड्डी की टीम द्वारा कोई अनुमति नहीं ली गई थी, इसलिए अल्लू अर्जुन और रवि चंद्र रेड्डी के खिलाफ आईपीसी की धारा 188 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

कीमतों को बढ़ने से रोकने के लिए सरकार ने कसी कमर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अक्सर प्याज के दाम देखते ही देखते आसमान छूने लगते हैं। लेकिन चुनाव नजदीक देख सरकार ऐसा नहीं होने देना चाहती। इसलिए सरकार ने इस साल अपने बफर स्टॉक के लिए पांच लाख टन प्याज खरीदने की योजना बनाई है। इसका इस्तेमाल कीमतें बढ़ने की स्थिति में उन्हें काबू करने के लिए किया जा सकता है। इसी को लेकर सरकार ने किसानों से प्याज खरीदना शुरू कर दिया है।

उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि केंद्र सरकार ने कीमतों में वृद्धि होने पर आपूर्ति बढ़ाने के लिए 2024-25 के लिए पांच लाख टन का बफर स्टॉक बनाने के लिए बाजार दरों पर किसानों से प्याज खरीदना शुरू कर दिया है। यदि प्याज की कीमतों में बढ़ोतरी होती है तो बफर सरकार को बाजारों में हस्तक्षेप करने की इजाजत देगा। खासकर तब जब सरकार ने पिछले सप्ताह प्याज निर्यात परसे प्रतिबंध हटाने का एलान कर दिया है।

छत्तीसगढ़ में नहीं बदलेंगे स्वामी आत्मानंद स्कूलों के नाम : सांसद बघेल

राज्य सरकार स्कूलों के नाम के आगे जोड़ रही है पीएम श्री, केन्द्र से मिलेगा एक्सट्रा बजट

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ में इन दिनों स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल के नाम को लेकर राजनीतिक बहसबाजी चरम पर है। छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव सरकार इन स्कूलों में अहम बदलाव कर रही है और जिसके तहत स्वामी आत्मानंद के नाम के आगे पीएम श्री जोड़ा जाएगा। सरकार का दावा है कि इससे केन्द्र से स्कूलों के डेवलप को लेकर एक्सट्रा बजट मिलेगा और शिक्षा का स्तर और भी सुधरेगा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धमेंद्र प्रधान ने इसे मंजूरी दे दी है। इधर इसे लेकर कांग्रेस नेता लगातार भाजपा सरकार पर हमलावर है। पूर्व सीएम भूपेश बघेल, पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज सहित अन्य नेता इस पर आपत्ति जता रहे हैं। इस बीच दुर्ग के सांसद विजय बघेल ने प्रेसवार्ता लेकर स्पष्ट किया है कि स्वामी आत्मानंद स्कूलों का नाम नहीं बदला जाएगा केवल उसके आगे पीएम श्री जोड़ा जाएगा। यानी आगे चलकर इन स्कूलों को पीएम श्री स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल के नाम से जानेंगे।

भाजपा सांसद विजय बघेल पे प्रेसवार्ता के माध्यम से कहा है कि पीएमश्री योजना के तहत चयनित किसी भी शाला का नाम नहीं बदला जायेगा। कहीं से भी नाम विलोपित नहीं होगा। सांसद ने कहा कि पूर्व सीएम भूपेश बघेल की ओर से ये आरोप लगाया जा रहा है जो सरासर गलत और झूठ है। इन स्कूलों के नाम में सिर्फपीएम श्री अतिरिक्त जोड़ा जा रहा है। कही भी साधु-संतों का अपमान नहीं किया जा रहा है जबकि कांग्रेस साधु-संतों का अपमान कर रही है। सांसद बघेल ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल बिना तथ्यों को जाने बयानबाजी कर रहे हैं। डबल इंजन की सरकार इस महत्वाकांक्षी योजना को और बेहतर बनायेगी। कांग्रेस इस योजना को लेकर तरह-तरह के झूठ फैलाकर प्रदेश की जनता को भ्रमित करने की नाकाम कोशिशों में जुटी है।

मिलेगी अतिरिक्त आर्थिक मदद व तकनीकी सुविधाएं

सांसद विजय बघेल ने कहा कि प्रदेश की बीजेपी सरकार स्वामी आत्मानंद इग्लिश मीडियम स्कूल के आगे पीएम श्री जोड़ रही है, ताकि नई शिक्षा नीति के तहत इन स्कूलों को केंद्र सरकार से और अधिक आर्थिक मदद मिल सके। योजना के तहत केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत देशभर के 14 हजार 500 सरकारी स्कूलों अपग्रेड करेगी। इन स्कूलों को पीएमश्री योजना के तहत अपग्रेड किया जायेगा। पहेल चरण में छत्तीसगढ़ के 211 स्कूलों का चयन किया गया है।

प्रत्येक ब्लॉक में होगा एक पीएमश्री स्कूल

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक व्यापक पहुंच प्रदान करने के लिए प्रत्येक ब्लॉक में एक पीएमश्री स्कूल स्थापित करने की योजना है। पीएमश्री योजना हर स्कूलों के लिए पद्मश्री के समान होगा और हर स्कूलों में खुद को बेहतर बनने की स्वस्थ प्रतिस्पर्धा होगी। नई शिक्षा नीति में शिक्षकों स्तर को उठाने के कार्य होंगे। पीएमश्री योजना प्रवेश द्वार साबित होगी। योजना में शिक्षकों को अनुभवात्मक शिक्षा प्रदान करना और उन्हें शैक्षिक प्रणाली को बढ़ाने के लिए विविध उपकरणों से परिचित कराना शामिल है। योजना में मापदंड पूरा करने पर देश का कोई भी स्कूल शामिल हो सकता है। चयनित होने पर स्कूल एक आधुनिक संस्थान में बदल जाएगा।

दूसरे चरण में 500 से ज्यादा स्कूलों को होगा चयन

दूसरे चरण में 500 से अधिक शालाओं का चयन होगा। इसमें एलीमेन्ट्री स्तर पर 193 और सेकेंडरी स्तर पर 18 स्कूल शामिल हैं। पीएमश्री योजना के पहले चरण में प्रत्येक शाला पर 2 करोड़ रुपए खर्च करके 'हब एंड स्पोक' मॉडल पर अपग्रेड किया जाएगा। इसका उद्देश्य केंद्र और राज्य सरकार स्थानीय निकायों की ओर से प्रबंधित स्कूलों में से चयनित मौजूदा स्कूलों को मजबूत करना है। इसके लिए छत्तीसगढ़ में केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राज्य में प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया (पीएमश्री) योजना का शुभारंभ किया था।

दुर्ग एसपी ने की कार्रवाई, एक सस्पेंड और दो लाइन अटैच

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। कोर्ट का आदेश न मानने व वाहन चोरी की रिपोर्ट न लिखने के कारण तीन पुलिस कर्मियों पर एसपी दुर्ग जितेन्द्र शुक्ला ने कार्रवाई की है। इनमें दो एएसआई और एक महिला आरक्षक शामिल है। कोर्ट के निर्देशों का पालन न करने के लिए एक एएसआई संजय कुमार साहू को सस्पेंड कर दिया। वही वाहन चोरी के मामले में रिपोर्ट नहीं लिखने पर एक एएसआई सुभाष चंद्र बोरकर और केस डायरी समय पर नहीं पहुंचाने पर महिला आरक्षक नूतन साहू को लाइन अटैच कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक एसपी जितेंद्र शुक्ला ने दुर्ग पुलिस के सभी स्टाफको निर्देशित किया था कि उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय की ओर से प्राप्त आदेश या निर्देश का अच्छी तरह से अवलोकन कर एसपी को उससे अवगत कराना है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय दुर्ग में पदस्थ एएसआई संजय कुमार साहू ने हाईकोर्ट के आदेश को एसपी के संज्ञान में लाए बिना थाना प्रभारी को कार्यवाही के लिए भेज दिया। हाईकोर्ट ने रंजीत कंडरा उर्फसोमनाथ की द्वारा दायर याचिका के संबंध में 26 अप्रैल 2024 को दिशा निर्देश दिए थे। एसपी ने इसे लापरवाही माना और उसे सस्पेंड कर दिया है। इसी तरह पुरानी भिलाई थाने में पदस्थ एएसआई सुभाष चन्द्र बोरकर ने बीते 10 मई को अपनी मोटरसाइकिल चोरी की रिपोर्ट लिखाने थाने पहुंचे बजरंग पारा वसुंधरा नगर भिलाई निवासी आकाश सिंह से दुर्व्यवहार किया और उसकी रिपोर्ट भी नहीं लिखी। इसके अलावा महिला थाने में पदस्थ महिला प्रधान आरक्षक नूतन साहू दहेज के प्रकरण के एक मामले की विवेचना कर रही थी। 10 मई को प्रकरण की केश डायरी दुर्ग न्यायालय द्वारा मांगी गई थी। इसके बाद भी महिला प्रधान आरक्षक ने केश डायरी न्यायालय में पेश नहीं की। इतना ही नहीं वो न्यायालय गई और न्यायालय परिसर में ही आरोपी के अधिवक्ता के साथ दुर्व्यवहार करने लगी। उक्त दोनों मामलों में एसपी ने कार्रवाई करते हुए दोनों को लाइन अटैच कर दिया।

टॉस का टंटा खत्म करने की तैयारी में बीसीसीआई भारतीय क्रिकेट में जल्द हो सकते हैं ये बड़े बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2024 में देखने को मिल रहा है कि टॉस की भूमिका बहुत अहम हो जाती है। हार-जीत का फैसला कई बार टॉस से हो जाता है, लेकिन भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई टॉस का टंटा खत्म करने की प्लानिंग में है। हालांकि, इसकी शुरुआत आईपीएल या अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से नहीं, बल्कि एक घरेलू टूर्नामेंट से होने जा रही है। बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने अंडर 23 सीके नायडू ट्रॉफी घरेलू टूर्नामेंट से टॉस को हटाने का प्रस्ताव रखा है। मेहमान टीम के पास ये चुनने का अधिकार होगा कि वे पहले बल्लेबाजी करेगी या गेंदबाजी।

बीसीसीआई सचिव जय शाह ने एपेक्स काउंसिल के सामने घरेलू क्रिकेट में कई और बदलावों को लेकर प्रस्ताव दिए हैं। पिछले साल कई टीमों के कप्तानों ने मैचों के बीच गैप रखने की बात कही थी। इसको लेकर भी बोर्ड ने प्रस्ताव रखा है। क्रिकबज की रिपोर्ट की मानें तो जय शाह ने अंडर 23 रेड बॉल टूर्नामेंट को लेकर नया पॉइंट रखा और कहा, सीके नायडू ट्रॉफी के मैचों में टॉस नहीं होगा। इसके बजाय मेहमान टीम को पहले बल्लेबाजी या गेंदबाजी चुनने का अधिकार होगा। सीके नायडू ट्रॉफी में संतुलित प्रदर्शन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक न्यू पॉइंट्स सिस्टम लागू किया जाएगा। इसमें पहली पारी में बल्लेबाजी और गेंदबाजी प्रदर्शन के आधार पर भी अंक दिए जाएंगे।

बीसीसीआई सचिव ने आगे कहा कि वह रणजी ट्रॉफी के लिए सीके नायडू अंक प्रणाली लागू करने पर भी विचार कर सकते हैं। उन्होंने कहा है, नई अंक प्रणाली की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए सीजन के अंत में एक समीक्षा की जाएगी, जिसमें अगले सीजन के लिए रणजी ट्रॉफी में इसे लागू करने या ना करने पर निर्णय लिया जाएगा। शार्दुल ठाकुर और साई किशोर जैसे खिलाड़ियों ने मैचों के बीच गैप की बात कही थी। इसको भी सामने रखा गया है। पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने भी मैचों के बीच गैप की सिफारिश की थी।

राजधानी में आज बरसेंगे बदरा, 40 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चलेगी धूल भरी आंधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी में रविवार को मौसम विभाग ने बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से धूलभरी आंधी चलने के आसार हैं। साथ ही, बारिश के साथ बिजली गरजने की भी संभावना है। इससे अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। कई दिनों से लू का अहसास कराने वाली गर्मी से लोगों निजात मिलेगी।

वहीं, शनिवार को दोपहर में चिलचिलाती गर्मी और गर्म हवा ने लोगों को परेशान किया। अधिकतम तापमान 38.7 डिग्री सेल्सियस रहा जो सामान्य से एक डिग्री कम रहा। वहीं, न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री कम 24.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मयूर विहार में सबसे ज्यादा बारिश दर्ज को गई। सुबह आठ बजे तक यहां 1.5 एमएम बारिश दर्ज की गई। वहीं, राजघाट में 1 एमएम, मुंगेशपुर में 0.5 एमएम व नरेला में 0.5 एमएम बारिश दर्ज की गई। नजफगढ़ इलाका सर्वाधिक गर्म रहा। यहां अधिकतम 39.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया। आया नगर व पीतमपुरा में 38.9, जाफरपुर में 38.8, पूसा में 38.7 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान दर्ज किया।

धूलभरी आंधी ने बढ़ाया प्रदूषण

राजधानी में हवा की दिशा बदलने व धूलभरी आंधी चलने से प्रदूषण बढ़ गया है। शनिवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 239 दर्ज किया गया जो खराब श्रेणी है। भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) के मुताबिक, शनिवार को औसत 12 से 16 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से हवा पूर्व से दक्षिण दिशा की ओर से चली। सीपीसीबी के अनुसार, एनसीआर में फरीदाबाद का सबसे अधिक 261 एक्यूआई रहा जो खराब श्रेणी है। ग्रेटर नोएडा में 236, गुरुग्राम में 234, नोएडा में 207 व गाजियाबाद में 166 एक्यूआई दर्ज किया गया।

जब पीना ही है तो थोड़ा ढंग से पियो

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़ में शराब एक बड़ा मुद्दा रहा है। बात यहां तक बिगड़ी थी कि यहां शराबबंदी की मांग होने लगी थी। इस बात पर भी बहस होने लगी थी कि शराब बंदी के बाद आदिवासियों को अपनी जरूरत के लिए मिली शराब बनाने की इजाजत का क्या होगा। पर अब ये सब बीते दिनों की बातें हैं। शराब अब न केवल लाइफ स्टाइल का हिस्सा है बल्कि इससे मिलने वाले राजस्व पर भी सरकार की पैनी नजर है। शराब न केवल सेहत के लिए खराब है बल्कि यह जेब पर भी भारी है। मजदूरों में शराब की लत के कारण कई गृहस्थियां बर्बाद हो चुकी हैं। युवाओं के बीच शराबखोरी के बाद खूनखराबा होने की खबरें भी आती रहती हैं। शराब को लेकर फिल्म शराबी का एक मजेदार गीत याद आता है। '..पी गया चूहा सारी व्हिस्की... कड़क के बोली... कहां है बिल्ली'। किसी को गाली देना हो या मारपीट करनी हो और हिम्मत जवाब दे जाए तो हौसले के लिए शराब का सहारा लिया जा सकता है। दो-चार पेग लगाने के बाद हिम्मत खुद-ब-खुद आ जाती है। ऐसी करामाती शराब को कोई बंद करने की बात करे तो उसे लोगों की नाराजगी भुगतनी पड़ सकती है। अंग्रेजी शराब पीने वालों के लिए तो बार होते ही हैं जहां लोग एयरकंडिशन्ड रूम में कुर्सी टेबल पर बैठकर चुस्कियां लेते हैं। देसी शराब के लिए ऐसी कोई व्यवस्था नहीं थी। वो सड़क किनारे लगने वाली रेहड़ियों से चखना लेते थे और अकसर वहीं खड़े-खड़े डिस्पोजेबल गिलास में शराब पीते थे। इसे व्यवस्थित रूप देने के लिए अहातों की व्यवस्था की गई थी। लोग अपना-अपना चेप्टी-खंबा लेकर वहां जाते थे और चखना का आर्डर देकर आराम से बैठकर पीते थे। इस व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए पिछली सरकार ने एक अहाता नीति बनाई। इसके तहत एसी अहातों का निर्माण किया जाना था। ऑनलाइन टेंडर प्रक्रिया द्वारा इनकी नीलामी की जानी थी। धंधा चले इसकी गारंटी करने के लिए सड़क किनारे के ठेलों को हटाया जाना था। इन ठेलों से न केवल यातायात व्यवस्था बिगड़ती थी बल्कि माहौल भी खराब होता था। पर इसे लागू नहीं किया जा सका। अधिकांश अहातों पर नेताओं का कब्जा था। अहातों की कमाई से वो अपना स्टेटस मेन्टेन करते थे। अहातों ने कुछ जमीनी नेताओं की फजीहत भी कराई। इसके बाद कुछ नेताओं ने तो पार्टी ही छोड़ दी। पर अब इस नीति को छत्तीसगढ़ की नई सरकार लागू करने जा रही है। छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कार्पोरेशन लिमिटेड ने राज्य के विभिन्न जिलों में 537 अहातों के लिए ऑनलाइन टेंडर मंगवाया। प्रथम चरण में 457 अहातों के लिए ऑनलाइन टेंडर आए। शेष 80 अहातों के लिए दोबारा टेंडर मंगवाए जाएंगे। अहातों की नीलामी से सरकार को 103 करोड़, 54 लाख, 17 हजार 300 रुपए का राजस्व भी मिला। वैसे चखना, डिस्पोजेबल गिलास और पानी पाउच तो अब कहीं भी मिल जाता है।

संपादकीय

केजरीवाल को राहत

देश में मतदान का आखिरी चरण 1 जून को संपन्न होगा और 2 जून को उन्हें समर्पण करना होगा, वह फिर जेल जाएंगे। इसका सीधा अर्थ है कि चुनाव के बचे हुए कम से कम तीन चरणों में केजरीवाल ठीक से चुनाव प्रचार कर पाएंगे। बेशक, आम आदमी पार्टी में एक नए जोश का संचार होगा और विपक्षी गठबंधन को भी मजबूती मिलेगी। हालांकि, यह अंतरिम जमानत सशर्त है। रिहाई के इन 21 दिनों में वह मुख्यमंत्री का कोई कर्तव्य नहीं निभाएंगे। वह मुख्यमंत्री कार्यालय और सचिवालय नहीं जाएंगे। अपने इस मुकदमे के बारे में चर्चा नहीं कर पाएंगे। सबसे बड़ी बात, वह दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति से जुड़े मनी लॉड्रिंग मामले में अपनी भूमिका के बारे में भी कोई टिप्पणी नहीं कर पाएंगे, जिसमें उन्हें गिरफ्तार किया गया है। इसके बावजूद अनेक विशेषज्ञ यह मानते हैं कि चुनाव प्रचार के लिए आम आदमी पार्टी के पास मुद्दों का अभाव नहीं है।

> दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सर्वोच्च न्यायालय ने चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत देकर प्रथम दृष्टया चुनाव और लोकतंत्र का महत्व बढ़ाया है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सर्वोच्च न्यायालय ने चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत देकर प्रथम दृष्टया चुनाव और लोकतंत्र का महत्व बढ़ाया है। शीर्ष अदालत ने पूरी सुनवाई के बाद उन्हें 1 जून तक रिहाई दी है।

अरविंद केजरीवाल को मिली अंतरिम जमानत के दो मुख्य आधार हैं। पहला आधार तो यही है कि मुकदमा नया नहीं है, पर गिरफ्तारी के समय को लेकर सवाल लाजिमी है। किसी भी पार्टी के प्रमुख या मुख्यमंत्री के लिए चुनाव प्रचार का विशेष महत्व होता है। किसी पुराने मामले में अगर ठीक चुनाव से पहले कार्रवाई शुरू होती है, तो संदेह की गुंजाइश बन जाती है। सर्वोच्च न्यायालय ने भी इस तथ्य को माना है और ईडी के पास इसका कोई ठोस जवाब नहीं है। अगर ईडी गिरफ्तारी के समय और जरूरत को न्यायोचित ठहरा पाती, तो दिल्ली के मुख्यमंत्री को 21 दिन की रिहाई नसीब नहीं होती। दूसरी बात, मुकदमा होने के बाद भी केजरीवाल मुख्यमंत्री थे और उन्हें गिरफ्तार नहीं किया गया था, वह मुकदमे से जुड़े तथ्यों के साथ तब भी खिलवाड़ कर सकते थे, पर अदालत की नजरों में उन्होंने ऐसा नहीं किया, जिसका लाभ उन्हें रिहाई के रूप में मिला है। सर्वोच्च न्यायालय ने साफ इशारा किया है कि अभी अपराध सिद्ध नहीं हुआ है और केजरीवाल समाज के लिए खतरा नहीं हैं। इन तथ्यों की रोशनी में ईडी केजरीवाल की रिहाई का ठीक से विरोध नहीं कर सकी है। खैर, ईडी के पास अभी भी मौका है, उसे आगामी दिनों में पूरी तैयारी और अकाट्य साक्ष्यों के साथ अदालत में आना होगा, वरना एक मुख्यमंत्री को ज्यादा समय तक जेल में रखना गरिमामय नहीं है। खैर, अदालत में 2 जून को चाहे जो हो, आगामी 21 दिन केजरीवाल के लिए उतने ही अहम होंगे, जितने उनके विरोधियों के लिए। विशेष रूप से दिल्ली और पंजाब में अरविंद केजरीवाल की लोकप्रियता या प्रासंगिकता से भला कौन इनकार कर सकता है? अगर इन दोनों राज्यों में आम आदमी का प्रदर्शन अच्छा रहता है, तो इससे दिल्ली के मुख्यमंत्री को भी अपनी बात मजबूती से रखने का आधार मिलेगा। लोकतंत्र में बहुत हद तक जनता ही फैसला करती है, किसी दागी को किनारे लगाने की बात हो या सत्ता सौंपने की बात, जनादेश के बाद ही व्यवस्था को आगे बढ़ने या ठिठक जाने का इशारा मिलता है। बेशक, यह एक विरल मामला है, जब जेल में बंद एक मुख्यमंत्री या नेता को चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत का लाभ दिया गया है, पर यह समग्र भारतीय राज्य की उदारता का नवीनतम प्रमाण है।

मतदान न करने वालों को सजा होनी चाहिए

बची सिंह रावत 'बचदा', वरिष्ठ नेता व सांसद

उपाध्यक्ष जी, 17 दिसंबर, 2004 को इस पर चर्चा शुरू हुई थी कि देश की लोकसभा और विधानसभाओं के लिए जो मतदान हो, वह अनिवार्य होना चाहिए। इस संबंध में गैर-सरकारी विधेयक मेरे द्वारा प्रस्तुत किया गया था, जिस पर आज हम चर्चा कर रहे हैं। 17 दिसंबर, 2004 के बाद माननीय सर्वोच्च न्यायालय में पीपल यूनियन ऑफ सिविल लिबर्टीज, पीयूसीएल, द्वारा दायर एक जनहित याचिका पर माननीय न्यायालय ने भारत के अटॉर्नी जनरल को नोटिस देकर जवाब मांगा था, वह जनहित याचिका निगेटिव वोटिंग के बारे में थी।

देश के मतदाता अधिकतर उदासीन रहते हैं और किसी को भी मतदान करना नहीं चाहते। ऐसी स्थिति में निगेटिव वोटिंग करने के लिए उन्हें अधिकार मिलना चाहिए और वोटिंग मशीन पर एक बटन या चिह्न नकारात्मक वोटिंग का भी अंकित होना चाहिए। इलेक्शन कमीशन को जब सूचना दी गई, तो उसने इस मामले का समर्थन करते हुए सर्वोच्च न्यायालय को जानकारी दी कि हमने सरकार को 10 दिसंबर, 2001 और 5 जुलाई, 2004 को दो बार ऐसा संशोधन जन-प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत करने के लिए निवेदन किया है।

आम मतदाता किसी को भी वोटिंग करना नहीं चाहता है, तो इसका नतीजा यह होता है कि कहीं 15 प्रतिशत और कहीं 20 प्रतिशत या दिल्ली जैसे शहर में 30 प्रतिशत मतदान होता है। सीधे-सीधे जो जनादेश आना चाहिए या स्वस्थ परंपरा आनी चाहिए, वह नहीं आ पाती है। इसलिए हमारा कहना यह है कि जब तक अनिवार्य मतदान नहीं होगा, तब तक निगेटिव वोटिंग का प्रावधान करने का भी कोई औचित्य नहीं होगा। इसलिए ये दोनों बिंदू एक-दूसरे से संबंधित हैं।

अनेक देशों में अनिवार्य मतदान की व्यवस्था है और यह विचार नया नहीं है। सबसे पहले 1892 में बेल्जियम में इसे स्वीकार किया गया। उसके बाद 1914 में अर्जेंटीना में और 1924 में ऑस्ट्रेलिया में अनिवार्य मतदान की व्यवस्था की गई। आज ऐसी व्यवस्था करीब 32 देशों में है। उनका सीधा तर्क है कि जिस आजादी या मताधिकार को हजारों बलिदानों के बाद प्राप्त किया जाता है, उस मताधिकार के प्रति जब जागरूकता न हो, तो शासन या राज्य को ऐसा प्रावधान करना चाहिए कि जो मतदान में लगातार हिस्सा लें, उनको बढ़ावा दिया जाए और जो जान-बूझकर मतदान के लिए प्रस्तुत नहीं होते, उनके लिए दंड की व्यवस्था होनी चाहिए। यही मेरे विधेयक में व्यवस्था है। संसदीय लोकतंत्र की आत्मा मतदान है, जिसके कारण शासन या सत्ता सामने आती है और उसके द्वारा लिए गए तमाम निर्णयों से, न केवल वे लोग, जिन्होंने मतदान किया है, बल्कि जिन्होंने मतदान नहीं किया है, वे भी प्रभावित होते हैं।

यह चर्चा आज की नहीं है। पूर्व राष्ट्रपति आर वेंकटरमण ने इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में 16 अक्तूबर, 1999 को एक सेमिनार में कहा था कि 'राज्य के प्रति उनकी जिम्मेदारी को शामिल करने के लिए, मैंने 1951 में अंतरिम संसद में जन-प्रतिनिधित्व विधेयक पर चर्चा के दौरान प्रस्ताव रखा कि राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर चुनाव में मतदान को अनिवार्य किया जाना चाहिए।' उन्होंने आगे कहा, 'डॉक्टर आंबेडकर ने इस विचार के प्रति सहानुभूति व्यक्त करते हुए व्यावहारिक कठिनाइयों का हवाला दिया था। 1952 में जब पहली बार वयस्क मताधिकार लागू किया गया, तब अनिवार्य मतदान लागू करना मुश्किल हो सकता था। पचास साल बाद कोई भी हितैषी सुधार के विरुद्ध व्यावहारिक कठिनाई का बहाना नहीं बना सकता, मैं इस अवसर पर सुझाव दोहराऊंगा।'

आज जब हमारे यहां दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, यहां लोकतांत्रिक व्यवस्था को अच्छी दिशा देने के लिए और सही परिणाम देश के सामने लाने के लिए अनिवार्य मतदान का कानून बनना चाहिए।

(लोकसभा में दिए गए उद्बोधन से)

नजरिया

मिलावट का कहर, स्वास्थ्य के लिये जहर

ललित गर्ग

भारतीय मसालों की गुणवत्ता की साख जब दुनिया में धुंधली हुई है, मिलावटी मसालों पर देश से दुनिया तक बहस छिड़ी हुई है, तब दिल्ली में मिलावट के एक बड़े मामले का पर्दापाश होना न केवल चिंताजनक है बल्कि दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर भारत के लिये शर्मनाक है। भारत में मिलावट का मामला मसालों तक ही सीमित नहीं है। मिलावटखोरों ने दवाइयों, तेल, घी, दूध, मिठाइयों से लेकर अनाज तक किसी चीज को नहीं छोड़ा है। हर साल त्योहारों पर देशभर से मिलावटी मावा और मिलावटी मिठाइयों की खबरे आती हैं। प्रश्न है कि आखिर मिलावट का बाजार इतना धडल्ले से क्यों पनप रहा है, क्यों सिस्टम लाचार है, मिलावटखोरी का अंत क्यों नहीं हो पा रहा है? लोकसभा चुनाव के दौरान मिलावट की त्रासद एवं जानलेवा घटनाओं का उजागर होना, क्यों नहीं चुनावी मुद्दा बनता?

कह तो सभी यही रहे हैं बाकी सब झूठ है, सच केवल रोटी है। लेकिन इस बड़े सच रोटी यानी पेट भरने की खाद्य-सामग्री को मिलावट के कारण दूषित एवं जानलेवा कर दिया गया है। देश में खाद्य पदार्थों में मिलावट मुनाफाखोरी का सबसे आसान जरिया बन गई है। खाने-पीने की चीजें बिल्कुल भी सुरक्षित नहीं हैं। किसी भी वस्तु की शुद्धता के विषय में हमारे संदेह एवं शंकाएं बहुत गहरा गयी हैं। मिलावट का धंधा शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक भी फैला हुआ है और इसकी जड़ें काफी मजबूत हो चुकी हैं। जीवन कितना विषम और विषभरा बन गया है कि सभी कुछ मिलावटी है। सब नकली, धोखा, गोलमाल ऊपर से सरकार एवं संबंधित विभाग कुंभकरणी निद्रा में है। मिलावटी खाद्य पदार्थ धीमे जहर की तरह हैं। ये दिल और दिमाग से जुड़ी बीमारियों, अल्सर, कैंसर वगैरह की वजह बन सकते हैं। खाने वालों को आभास भी नहीं होता कि वे धीरे-धीरे किसी गंभीर बीमारी की ओर जा रहे हैं। वे किसी पर भरोसा कर कुछ खरीदते हैं और मिलावटखोर तमाम कानून बने होने एवं प्रशासन की सक्रियता के बावजूद इस भरोसे को तोड़ रहे हैं। उनकी वजह से दूसरे देशों का भी भरोसा भारतीय उत्पादों पर कम होने की स्थितियां बनती जा रही है। कुछ दिनों पहले ही हांगकांग और सिंगापुर ने लिमिट से ज्यादा पेस्टिसाइड का आरोप लगाकर दो भारतीय ब्रैंड के कुछ मसालों को बैन किया था। अगर ऐसा हुआ तो इनके निर्यात से करोड़ों डॉलर की आमदनी पर आंच आएगी।

मिलावट करने वालों को न तो कानून का भय है और न आम आदमी की जान की परवाह है। दुखद एवं

विडम्बनापूर्ण तो ये स्थितियां हैं जिनमें खाद्य वस्तुओं में मिलावट धडल्ले से हो रही है और सरकारी एजेन्सियां इसके लाइसेंस भी आंख मूंदकर बांट रही है। जिन सरकारी विभागों पर खाद्य पदार्थों की क्वॉलिटी बनाए रखने की जिम्मेदारी है वे किस तरह से लापरवाही बरत रही है, इसका परिणाम आये दिन होने वाले फूड प्वाइजनिंग की घटनाओं से देखने को मिल रहे हैं। मिलावट के बहुरुपिया रावणों ने खाद्य बाजार जकड़ रखा है। मिलावट का कारोबार अगर फल-फूल रहा है, तो जाहिर है कि इसके खिलाफ जंग उस पैमाने पर नहीं हो रही है, जैसी होनी चाहिए। इस मामले में भारत अपने पड़ोसी देश बांग्लादेश से कुछ सबक ले सकता है, जिसने हल्दी में लेड की मिलावट पर काबू पा लिया। मिलावटखोर हल्दी की चमक बढ़ाने के लिए लेड का इस्तेमाल करते हैं और यह समस्या पूरे दक्षिण एशिया की है।

मिलावट सबसे बड़ा खतरा है। मारने वाला कितनों को मारेगा? एक आतंकवादी स्वचालित हथियार से या बम ब्लास्ट कर अधिक से अधिक सौ दो सौ को मार देता है। लेकिन खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वाला हिंसक एवं दरिंदा तो न जाने कितनों को मृत्यु की नींद सुलाता है, कितनों को अपंग और अपाहिज बनाता है। इन हिंसक, क्रूर एवं मुलाफाखोरों पर लगाम न लगने की एक वजह यह भी है कि ऐसा करने वालों को लगता है, इससे होने वाले मुनाफे की तुलना में मिलने वाली सजा बहुत कम है। जाहिर है, सजा कड़ी करने के साथ ही यह भी पक्का करना होगा कि दोषी किसी तरह से बच न निकलें। यही नहीं, लोगों को पता होना चाहिए कि मिलावट की शिकायत कहां करनी है। हमारे प्रयासों में कमी न रहे, तभी यह काला धंधा रुक सकेगा।

कारोबार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण मिलावट हर जगह देखने को मिलती है। कहीं दूध में पानी की मिलावट होती है, तो कहीं मसालों में रंगों की। दूध, चाय, चीनी, दाल, अनाज, हल्दी, फल, आटा, तेल, घी आदि ऐसी तमाम तरह की घरेलू उपयोग की वस्तुओं में मिलावट की जा रही है। यानी, पूरे पैसे खर्च करके भी हमें शुद्ध खाने का सामान नहीं मिल पाता है। मिलावट इतनी सफाई से होती है कि असली खाद्य पदार्थ और मिलावटी खाद्य पदार्थ में फर्क करना मुश्किल हो जाता है। जीवन मूल्यहीन और दिशाहीन हो रहा है। हमारी सोच जड़ हो रही है। मिलावट, अनैतिकता और अविश्वास के चक्रव्यूह में जीवन मानो कैद हो गया है। घी के नाम पर चर्बी, मक्खन की जगह मार्गरीन, आटे में सेलखड़ी का पाउडर, हल्दी में पीली मिट्टी, काली मिर्च में पपीते के बीज, कटी हुई सुपारी में कटे हुए छुहारे की गुठलियां मिलाकर बेची जा रही हैं। दूध में मिलावट का कोई अंत नहीं। नकली मावा बिकना तो आम बात है। राजस्थान और गुजरात में चल रहा नकली जीरे का कारोबार अब दिल्ली एवं देश के अन्य हिस्सो तक पहुंच गया है। दिल्ली में पहली बार पकड़ी गई नकली जीरे की खेप ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। भारत के लोगों को न शुद्ध हवा मिल रही है और न शुद्ध पानी और न ही शुद्ध खाने का निवाला, कैसी अराजक शासन व्यवस्था है?

मिलावट के कारण हम एक बीमार समाज का निर्माण कर रहे हैं। शरीर से रुग्ण, जीर्ण-शीर्ण मनुष्य क्या सोच सकता है और क्या कर सकता है? क्या मिलावटखोर परोक्ष रूप से जनजीवन की सामूहिक हत्या का षड्यंत्र नहीं कर रहे? हत्यारों की तरह उन्हें भी अपराधी मानकर दंड देना अनिवार्य होना चाहिए। मिलावट एक ऐसा खलनायक है, हत्यारी प्रवृत्ति है, जिसकी अनदेखी जानलेवा साबित हो रही है। चाहे प्रचलित खाद्य सामग्रियों की निम्न गुणवत्ता या उनके जहरीले होने का मततब इंसानों की मौत भले ही हो, पर कुछ व्यापारियों एवं सरकारी अधिकारियों के लिए शायद यह अपनी थैली भर लेने का एक मौका भर है। त्यौहारों पर मिलावटी मिठाइयां खाने से अपच, उलटी, दस्त, सिरदर्द, कमजोरी और बेचैनी की शिकायते सुनने में आती रही है। इससे किडनी पर बुरा असर पड़ता है। पेट और खाने की नली में कैंसर की आशंका भी रहती है।

खाद्य उत्पाद विनियामक भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने 2006 के खाद्य सुरक्षा और मानक कानून में कड़े प्रावधान की सिफारिश की थी। कानून को सिंगापुर के सेल्स आफ फूड एक्ट कानून की तर्ज पर बनाया गया जो मिलावट को गम्भीर अपराध मानता है। फूड?इंस्पैक्टरों का दायित्व है कि वह बाजार में समय-समय पर सैम्पल एकत्रित कर जांच करवाएं लेकिन जब सबकी 'मंथली इन्कम' तय हो तो फिर जांच कौन करे? हालत यह है कि बाजारों में धूल-धक्कड़ के बीच घोर अस्वास्थ्यकर माहौल में खाद्य सामग्रियां बेची जा रही है। सीएजी ऑडिट के दौरान जो तथ्य उजागर हुए हैं, वे भ्रष्टाचार को तो सामने लाते ही है साथ-ही-साथ प्रशासनिक लापरवाही को भी प्रस्तुत करते हैं। देश में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता बनाए रखने का काम करने वाली सरकारी एजेन्सी की दशा कितनी दयनीय है और वहां कितनी लापरवाही बरती जा रही है, सहज अनुमान लगाया जा सकता है। हमें सोचना चाहिए कि शुद्ध खाद्य पदार्थ हासिल करना हमारा मौलिक हक है और यह सरकार का फर्ज है कि वह इसे उपलब्ध कराने में बरती जा रही कोताही को सख्ती से ले।

कैल्शियम का बेहतरीन स्रोत है मखाना

ड्राई फ्रूट्स खाना सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। इन्हीं में से एक है मखाना, मखाना कमल के बीज से बनता है। यह स्वादिष्ट होने के साथ सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद माना जाता है। खासकर मखाना हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है।

मखाना कैल्शियम का बेहतरीन स्रोत होता है, जो हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है। इसमें मैग्नीशियम जैसे तत्व होते हैं, जो हड्डियों को अंदर से मजबूत बनाते हैं। इसके अलावा फास्फोरस और विटामिन च होने की वजह से मखाने हड्डियों के निर्माण और मरम्मत में मदद करते हैं।

ऐसे करें इस्तेमाल

आप कई तरीके अपना कर मखाने का सेवन कर सकते हैं। जैसे आप इन्हें रात भर पानी में भिगोकर सुबह खाली पेट खा सकते हैं। इसके अलावा दूध में पका कर भी आप मखाने का सेवन कर सकते हैं। आप मखाने से भुजिया भी बना सकते हैं।

खीर में मखाने

इसके अलावा मखाने का पाउडर बनाकर आप इसे दही या दूध के साथ मिलकर खा सकते हैं। मखाने को आप शाम को स्नैक्स के रूप में खा सकते हैं। इसके अलावा सलाद में मिलकर भी मखाने खाएं जाते हैं। आप चाहे तो खीर में मखाने डालकर इसका सेवन कर सकते हैं। रोजाना 10 से 12 मखाने शरीर के लिए पर्याप्त होते हैं। अधिक मात्रा में मखाने खाने से पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती है। गर्भवती महिलाएं मखाना खाने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें। मखाने का सेवन कर लोग आसानी से हड्डियों को मजबूत बना सकते हैं, लेकिन अगर कुछ लोगों को इससे असर नहीं होता है, तो डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

कर्तव्य से अधिकार तक दो पीढ़ियों की माओं का सफर

क्षमा शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार

'मदर्स डे' यानी मां का दिन। मां को याद करना। उनको शुभकामनाएं देना। आज की माताओं के बारे में कहा जाता है कि वे एक तरह से चौबीस घंटे, सातों दिन काम करती हैं। दफ्तर और घर, दोनों मोर्चे संभालती हैं। बच्चों को पालने की जिम्मेदारी भी निभाती हैं। 'मदर्स डे' को मनाने का उद्देश्य ही यही है कि मां ने हमारे लिए जो किया, इसके लिए उनको सराहा जाए।

बात सच भी है। आज की युवा स्त्री हो या पुरुष, दोनों हरदम दौड़ते-भागते ही दिखते हैं। एक तरफ तकनीक ने जहां उनके जीवन को आसान बनाया है, वहीं दूसरी तरफ इसी तकनीक ने दफ्तर को घर के अंदर पहुंचा दिया है और इस तरह वे हर वक्त दफ्तर की निगाह में भी हैं। आज की माओं को देखती हूं और अपनी पीढ़ी की मां, चाची, नानी, दादी, ताई, बुआ आदि के बारे में सोचती हूं, तो महसूस होता है कि उनको शायद ही वह सम्मान कभी मिला, जिसकी वे हकदार थीं। किसी ने शायद ही कभी उन्हें 'हैप्पी मदर्स डे' कहा। उनका सारा परिश्रम कर्तव्य की वेदी पर होम हो गया। मां का मतलब था, चौबीस घंटे काम करने वाली स्त्री। सवेरे सबसे पहले उठने वाली और रात में सबके सो जाने के बाद सोने वाली। मां के कामों की सूची लंबी थी-सुबह उठकर बच्चों के स्कूल जाने से पहले गाय-भैंसों की देखभाल, सानी-पानी और उनकी कोठरियों की साफ-सफाई। फिर स्नान के बाद बच्चों का नाश्ता बनाना, उनको दोपहर का भोजन देना। संयुक्त परिवार के बीस-तीस लोगों के लिए चूल्हे पर भोजन ही नहीं पकाना, सबको गरम-गरम भी खिलाना। सवेरे मुंह अंधेरे चक्की में आटा पीसना या बेसन अथवा मसाले कूटना, गेहूं को धोना, सुखाना, साफ करना, पीसना। गेहूं के मौसम में साल भर की खपत लायक गेहूं इकट्ठा करना, उन्हें कीड़ा न लगे, इसकी व्यवस्था करना, साल भर की दालों को मौसम में ही सुखाना, तेल लगाकर कीड़ों से बचाना। सुबह-सवेरे दही बिलोना, मक्खन निकालना, दूध उबालना। दोपहर में पापड़-बड़ियां, चिप्स, सेवइयां और तरह-तरह के अचार बनाना। पुराने कपड़ों को ठीक करना, या उनसे कुछ और उपयोगी बना लेना, कपड़ों की सिलाई, सर्दियों में स्वेटर बुनना और रजाई में रुई भरवाकर उनमें डोरे डालना। किसी त्योहार से पहले पकवानों की तैयारी। आए-गए की खातिरदारी। पड़ोस की किसी शादी, मुंडन, कथा-कीर्तन आदि की दुनियादारी निभाना। वहां से लौटकर फिर से घर के कामों में जुट जाना। उस दौर की हर मां या कहें कि हर स्त्री की यही कहानी है। इन कामों में कोई अतिशयोक्ति नहीं है, बल्कि हो सकता है कि कुछ काम बताने से रह ही गए हों।

उस दौर की स्त्रियां जो भी काम करती थीं, आज वे सारे काम बाजार के हवाले हैं। आज की महिलाओं के पास इतना समय नहीं कि वे किसी त्योहार पर पकवान बना सकें, मसाले पीस सकें, घर में गेहूं साफ करके आटा पिसवा सकें। इसके अलावा आज की स्त्री को तमाम किस्म की तकनीकी सुविधाएं प्राप्त हैं। पुरानी स्त्री जिस चूल्हे पर रात-दिन लगी रहती थी, उसकी जगह आज गैस चूल्हे हैं। कुकर है, मिक्सी है, माइक्रोवेब है, खाना खराब न हो, इसके लिए फ्रिज है, कपड़े धोने की मशीन है। इनके अलावा घरेलू सहायिकाएं हैं। खाना पकाने वाले या वालियां हैं। कहीं आने-जाने के लिए तरह-तरह की सुविधाएं हैं। काश! हमारी नानी-दादी के जीवन काल में ये सुविधाएं होतीं। वे भी कुछ चैन पा सकतीं।

आज की मां और उस दौर की मां के परिश्रम में एक बड़ा फर्क यह है कि आज की स्त्री को उसके परिश्रम का मूल्य मिलता है, इसलिए उसकी मेहनत सबको दिखाई देती है। उस दौर की मां चाहे जितनी मेहनत करती थी, वह सब घर-परिवार की देखभाल के खाते में चला जाता था, इसलिए उसके श्रम की कोई कीमत नहीं थी। उस दौर की स्त्री को हमने सिर्फ मां के कर्तव्यों की सीमा-रेखा में कैद कर दिया। शायद उनके साथ बहुत अन्याय किया! अपनी परिचित जितनी भी स्त्रियों के बारे में सोचती हूं, वे सब पचासी-नब्बे के पार होकर इस दुनिया से विदा हुईं। जीवन में शायद ही कभी ब्लड प्रेशर, डायबिटीज या किसी अन्य रोग का कोई टेस्ट हुआ। उनके अथक परिश्रम ने उन्हें कम से कम अच्छे स्वास्थ्य की सौगात सौंपी। ऐसा क्यों नहीं हो सकता है कि पुराने जमाने की मां से कुछ मेहनत करना सीखें, कुछ श्रम का बंटवारा करें और खुद को उनकी तरह स्वस्थ भी रखें।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

भ्रामक प्रचार से बाज आना चाहिए

देश में हिंदुओं की आबादी में कमी आ रही है। धार्मिक अल्पसंख्यकों की हिस्सेदारी- राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण (1950-2015) दस्तावेज में प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद ने खुलासा किया है। इसमें हिन्दू आबादी के 7.82 फीसद कम होने के साथ मुसलमानों की 43.15 फीसद बढ़ने की बात की गई है। सिखों की आबादी 1.24 फीसद से बढ़कर 1.85 फीसद तथा इसाइयों की 2.24 फीसद से बढ कर 2.36 फीसद हो गई है। इस रिपोर्ट के अनुसार बौद्ध भी बढ़े हैं, जबकि जैन व पारसियों की संख्या घटी है। यूं तो जनसंख्या के आंकड़े जनगणना के माध्यम से आते हैं। जो 2011 के बाद से नहीं हो सकी है। जनगणना 2021 में प्रस्तावित थी, जो करोना महामारी के कारण स्थगित कर दी गई थी। इस अध्ययन में बहुसंख्यक व अल्पसंख्यक आबादी में आए उतार-चढाव के अंतरराष्ट्रीय रुझान का पता लगाने के लिए 167 देश शामिल थे, जिसके मुताबिक भारतीय उपमहाद्वीप में मुस्लिम आबादी की बढ़ोत्तरी सबसे ज्यादा हुई।

जबकि बांग्लादेश में 10 फीसद व पाकिस्तान में 10 फीसद मुसलमानों की आबादी में बढ़त देखी गई। देश में मौजूदा वक्त में लोक सभा चुनाव चल रहे हैं, जिसमें सत्ताधारी दल पहले ही धार्मिक आधार पर बयानबाजियां करने और समाज में दरारें पैदा करने में हिचक नहीं रहा है। ऐसे में इस रिपोर्ट का प्रचार खास समुदाय को निशाना बनाने में सहायक साबित हो सकता है। विपक्ष भी इसे चुनावी चाल कह आरएसएस का एजेंडा चलाने का आरोप लगा रहा है। वास्तव में हम धर्मनिरपेक्ष देश हैं, जिसमें सभी धर्मो का बराबर सम्मान किया जाना और उनके साथ सहिष्णुता बरतना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। मुसलमानों की आबादी बढ़ने के कारणों में यूं तो उनकी चार शादियां, धर्मांतरण व घुसपैठ को दोषी ठहराया जा रहा है, जबकि इसके पीछे अशिक्षा व जागरूकता की कमी अधिक है। विशेष समुदाय पर देश की जनसांख्यिकी बदलने के प्रयासों का आरोप मढ़ना कतई उचित नहीं ठहराया जा सकता। इस हकीकत को झुठलाया नहीं जा सकता कि दुनिया भर में मुसलमानों की आबादी सबसे तेजी से बढ़ रही है। बीते सौ वर्षो में वे 12.5 फीसद से बढकर 22.5 फीसद हो चुके हैं। इसलिए केवल भारत में मुसलमानों की बढ़ती जनसंख्या के लिए भ्रामक प्रचार से बाज आना चाहिए। साथ ही उन्हें जागरूक करने और सेहत संबंधी फायदों के विषय में आगाह करने के प्रयास करने चाहिए।

अगर सजा देने लगें, तो जेलें भर जाएंगी

मोहन सिंह, वरिष्ठ नेता और सांसद

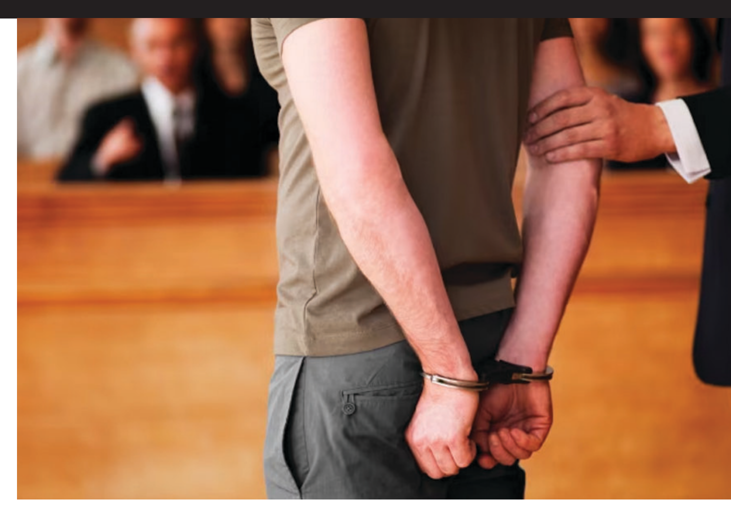

लोकसभा चुनाव में अपेक्षा के अनुरूप मतदान न बढ़ने से देश में चर्चा तेज है। लोगों को ज्यादा मतदान के लिए कैसे प्रेरित किया जाए? सभापति महोदय, मैं बची सिंह रावत को धन्यवाद देता हूं कि एक निजी विधेयक पेश कर उन्होंने लोकतंत्र की बुनियाद और जो लोकतंत्र का मूल मतदाता है, उसके साथ लोकतंत्र का रिश्ता क्या हो, इसकी ओर ध्यान दिलाने की कोशिश की है। उनकी भावना ठीक है, पर इस विधेयक में उन्होंने जो प्रावधान किया है, उसमें कहा गया है- कोई भी व्यक्ति जो अपना वोट डालने में विफल रहता है, उस पर 100 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा या एक दिन की कैद होगी, और जान-बूझकर मतदान न करने पर दोनों सजा होगी, मतदान न करने वाले का राशन कार्ड जब्त कर लिया जाएगा और छह साल की अवधि के लिए कोई भी चुनाव लड़ने के अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा।

इसमें जो दंडात्मक प्रावधान हैं, यदि उनको लागू कर दिया जाए, तो इस देश की जेलों में कहीं इतनी जगह नहीं है और न ही उन्हें पकड़ने वाले इतने रक्षा बल और पुलिसकर्मी है कि इतनी तादाद में लोगों को जेल में डालने का काम हो। दूसरी बात है, उन्होंने अपने भाषण के दौरान उदाहरण दिया है कि इस तरह का प्रावधान बेल्जियम और अर्जेंटीना में है। हमारे देश के बारे में कहा जाता है कि हम लोग हर साल एक नया ऑस्ट्रेलिया पैदा कर देते हैं। बेल्जियम की आबादी तो ऑस्ट्रेलिया से भी कम है। हमारे जो छोटे-छोटे राज्य हैं, जैसे उत्तरांचल (अब उत्तराखंड), जहां के बची सिंह रावत प्रतिनिधि हैं, इस राज्य की जितनी आबादी है, पूरे बेल्जियम की आबादी उसके बराबर है। अर्जेंटीना उससे कुछ छोटा होगा। 60-65 लाख से लेकर एक करोड़ आबादी के देश को इस तरह के कठोर नियम बनाकर उस पर अनिवार्य मतदान की व्यवस्था कर देना आसान काम है। भारत में इससे अधिक घुमंतू आबादी है, जो घूमती रहती है। यदि रावत जी का यह विधेयक मान लिया जाए और कानून पास कर दिया जाए, तो उस पूरी जाति को रेलवे स्टेशन और रेलवे लाइन के किनारे से पकड़कर जेलों के भीतर एक हफ्ते के लिए रख दें कि आपने वोट नहीं डाला। उनका स्थान जेल में सुरक्षित करना पड़ेगा।

पुराने लोग जानते हैं कि 1962 का जो चुनाव हुआ, उसमें बक्से में परची डालने के नियम थे। सभी पार्टी के अलग-अलग बक्से और अलग-अलग चुनाव चिह्न थे। उस समय जनता जयप्रकाश नारायण को सुनने के लिए एकत्र होती थी, पर मतदान के बाद जब बक्सा खोला जाता था, तो सारे वोट कांग्रेस को मिलते थे, क्योंकि कांग्रेस के कार्यकर्ता जागरूक थे। वे राष्ट्रीय आंदोलन से निकले थे और सरकारी मशीनरी पर उनका अधिकार था। कांग्रेस के सारे लोग इकट्ठा परची काटकर दो बैलों की जोड़ी वाले बक्से में डाल देते थे और ऐसे सारी सीटें कांग्रेस जीत जाती थी। जिसे हमारे लालू भाई बाद में कहते थे कि वोट कहीं डालो, बक्से से जिन्न निकलेगा और इन्हीं की ही पार्टी जीतेगी। वस्तुतः जिन्न 1952 में जब निकला था, तब इसी तरह से वोट डाले गए थे। महोदय, अब हमने काफी पद्धति विकसित कर ली है। फर्जी और बोगस वोटिंग के सिस्टम को हमने धीरे-धीरे अपने देश में बदला है। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन आने से बिहार के रिजल्ट पर भी असर पड़ा है।

पर वोट का प्रतिशत लगातार गिरता जा रहा है। इसके पीछे बुनियादी कारण हैं, इस देश का आम आदमी यह महसूस करना धीरे-धीरे बंद कर रहा है कि मतदान की पद्धति के जरिये हमारे भाग्य का निर्धारण होने वाला है और इस धारणा के चलते धीरे-धीरे वोट का प्रतिशत कम हो रहा है। इस विधेयक में बहुत सारी त्रुटियां हैं। भारत सरकार की ओर से एक समिति बनाई जानी चाहिए और इस पर विचार किया जाना चाहिए कि हम इस देश में किस तरह की चुनाव पद्धति अपनाएं, ताकि जनता के सही अभिमत का प्रतिनिधित्व हो सके। इस भावना के साथ इस विधेयक के प्रति अपनी असहमति व्यक्त करता हूं।

(लोकसभा में दिए गए उद्बोधन से)

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

तालाबों को पुनर्जीवित करने भारतीय जैन संघटना ने चलाया अभियान

बालोद। भारतीय जैन संघटना जिला बालोद एवं फोर्स मोटर्स द्वारा संयुक्त रूप से सुखा मुक्त तालाबों का पुनर्जीवन छत्तीसगढ़ अभियान चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र के ऐसे तालाब जो सूख गए हैं, इन तालाबों की मिट्टी निकाल कर किसानों द्वारा खेतों में ले जाया जाएगा एवं तालाब गहरीकरण जेसीबी के माध्यम से कराया जा रहा है। इसके अंतर्गत विकासखंड डौंडी के ग्राम अडजाल व सिंघनवाही में शनिवार को शुभारंभ किया गया। ग्राम अडजाल में ग्राम वासियों की मौजूदगी में भारतीय जैन संघटना बालोद के सदस्य अनिल नाहटा, राहुल गोलछा, शुभम नाहटा, आनंद बाफना ने आज विधिवत रूप से तालाब खुदाई कार्य विधि विधान पूर्वक अतिथियों की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन जिला बालोद अध्यक्ष डॉ प्रदीप जैन, प्रेस क्लब बालोद अध्यक्ष प्रदीप चोपड़ा, समाजसेवी कांति जैन, राजा बागमार, सुमित श्रीश्रीमाल,प्रमोद कोचर,पैशन जैन,सरपंच देवेंद्र कुमार, उप सरपंच पलटूराम, सचिव उमेश भूआर्य, ग्रामीण किरण कुमार चंदू राम ,राम गुलाम, अशोक कुमार, बैलसिह रावटे, अर्जुन ठाकुर ,सुख बाई, आशा बाई आदि उपस्थित थे। ग्राम अडजाल के शिवनाला तालाब में आज सुबह जेसीबी से कार्य प्रारंभ किया गया। जिसके अंतर्गत तालाब के जल निकाय कर जिर्णोद्धार किया जा रहा है। इस मिशन का उद्देश्य गांव में पानीदार जल आत्मनिर्भर व समृद्धि बन सके। इसके अंतर्गत देश भर के पांच राज्यों में125 तालाबों में से छत्तीसगढ़ को भी चुना गया है बालोद के डौडी ब्लॉक के तीन ग्राम पंचायत के तालाब चयनित किए गए हैं।अतिथियों ने जल संचय के इस पुनीत कार्य के लिए जैन संघटना की सराहना की व सभी ग्रामीणों से इसमें सहयोग की अपील की ताकि आने वाले समय में हो रही पानी की व्यापक कमी को दूर किया जा सके।

दृष्टि बाधित छात्र ने दसवीं बोर्ड में अर्जित किया 86.33 प्रतिशत अंक

कोरबा। मन में विश्वास और लगन हो तो शारीरिक अक्षमता भी लक्ष्य आगे गौण हो जाता है। दृष्टि बाधित होने के बाद भी सरस्वती शिशु मंदिर में अध्ययनरत छात्र चंद्रभान साहू ने छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल के दसवीं बोर्ड परीक्षा में 86.33 प्रतिशत अंक अर्जित किया है। उनकी इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार व स्वजन गौरवांवित महसूस कर रहे हैं। चंद्रभान छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में स्थित सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बुधवारी के छात्र हैं और रोटरी क्लब आफकोरबा द्वारा संचालित छात्रावास में रहते हैं। दस मई को जब परिणाम की घोषणा हुई तो चंद्रभान का चेहरा खुशी से खिल गया। वजह यह थी उसकी मेहनत सफल हुई और उसने सभी विषयों में विशेष योग्यता के साथ 86.33 प्रतिशत अंक अर्जित किया। परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद चंद्रभान ने ग्यारहवीं कक्षा की तैयारी अभी से शुरू कर दी है। उसने बताया कि वह में कला संकाय में प्रवेश लेगा। उनका लक्ष्य ग्यारहवीं और बारहवीं बोर्ड में अपने प्रदर्शन को और सुधारते हुए बेहतर अंक प्राप्त करना है। चद्रभान के स्वजन मुंगेली जिले के ग्राम जुनवानी में निवास करते हैं। पिता अनिल कुमार साहू खेती किसानी करते हैं और उनकी एक किराना दुकान है। 18 वर्षीय चंद्रभान कक्षा चैथी में पढ़ रहे थे तभी से रोटरी के छात्रावास में निवास कर रहे हैं। चंद्रभान ने बताया कि जब वह सात वर्ष के थे तब रेटिना में कुछ समस्या आई और आंखों की रोशन पूरी तरह चली गई। चंद्रभान का कहना है कि पढ़ाई में मोबाइल का सदुपयोगी उसके लिए बेहतर सहारा बना।

नज सम्मिट 2 में सामाजिक परिवर्तन को आगे बढ़ाने के लिए कॉर्पोरेट और यूनिसेफ ने हाथ मिलाया

भारत के एस्पिरेशनल ब्लॉक का हो सम्पूर्ण विकास : आनंद शेखर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । भारत के 500 एस्पिरेशनल ब्लॉक का सम्पूर्ण विकास हो इसके लिए ब्लॉक स्तर के शिक्षा जगत और समाज कार्य करनेवाले मिलकर पुरजोर प्रयास करें तो ये ब्लॉक भारत के विकसित ब्लॉक से कदमताल करेंगे। उक्त बातें नीति आयोग के मिशन डायरेक्टर आनद शेखर ने एनआईटी रायपुर में आयोजित नज सम्मिट 2 के अवसर पर आए प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि यह एक अभूतपूर्व समय है जब भारत में नागरिक-केंद्रित पहल के लिए उच्च स्तर की इच्छाशक्ति है, जहां समुदाय अपने कार्यक्रम को डिजाइन करने का मालिक है। उन्होंने लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए नागरिकजनों, सरकार और शिक्षा जगत के बीच तालमेल की आवश्यकता पर बल दिया।

छत्तीसगढ़ के प्रमुख कंपनी राज्य में सामाजिक परिवर्तन लाने के लिए काम करेंगे। इन कंपनियों के कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) फंड का उपयोग कुपोषण, एनीमिया और बाल मृत्यु दर को कम करने के साथ-साथ परिवारों और समुदायों के बीच महत्वपूर्ण व्यवहार को बढ़ावा देने में सरकार का समर्थन करने के लिए किया जाएगा। कॉरपोरेट्स, यूनिसेफ और एनआईटी की संयुक्त पहल के रूप में भारत में अपनी तरह का पहला अभिनव मंच, थिंक-सो आज यहां लॉन्च किया गया। फोरम का उद्देश्य ज्ञान साझा करने की सुविधा, बेहतर कार्निति को बढ़ावा देना, सक्रिय कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) निकायों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करना और बुनियादी ढांचे से परे समाधान बनाने के लिए कार्यक्रमों की पुनर्कल्पना करके सकारात्मक सामाजिक प्रभाव को बढ़ावा देना है। इस अवसर को संबोधित करते हुए यूनिसेफप्रमुख जॉब जकारिया ने कहा कि कॉरपोरेट समाज में बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। चूंकि वे बहुत बड़ी कम्युनिटी के साथ काम करते हैं , इसलिए वे बेहतर कर सकते हैं। एनआईटी डायरेक्टर एन रमन्ना राव ने कहा यह बेहतर पहल है और हमारा इंस्टीट्यूट इसका भागीदार बनेगा। इस अवसर को यूनिसेफ एसबीसी स्पेशलिस्ट अभिषेक सिंह ने कहा कि सीएसआर और एनजीओ एक निश्चित कार्यनीति पर कार्य करे तो बेहतर परिवर्तन होगा।

इससे पूर्व कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलन करके किया गया। पूरे दिन के कार्यक्रम में पैनल डिस्कशन, एनजीओ और कंपनी के सीएसआर कार्य की सफल कहानी का प्रदर्शन हुआ। इस मौके पर प्रतिभागी के रूप में पूरे प्रदेश भर से एनजीओ, कॉरपोरेट जगत के अधिकारी और शिक्षा जगत के लोग उपस्थित थे।

ओडिशा की तरक्की के लिए भाजपा का कमल खिलना जरूरी : किरण देव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण देव ने शनिवार को ओडिशा के कोटपाड़ विधानसभा में चुनाव प्रचार किया। इस दौरान उन्होंने भाजपा प्रत्याशी रूपू भत्रा को भारी मतों से विजयी बनाने का आह्वान किया।

अपने चार दिवसीय ओडिशा प्रवास के अंतिम दिन चुनावी कार्यक्रमों में शिरकत करते हुए उन्होंने कहा कि ओडिशा में विकास का पहिया पूरी तरह थम गया है। तरक्की का पहिया तेज रफ्तार से चल सके इसलिए भाजपा सरकार लाना होगा। उन्होंने कहा, इस प्रचंड गर्मी में भी भाजपा के कार्यकर्ता जिस प्रकार राष्ट्र कार्य के लिए परिश्रम कर रहे हैं, उसका परिणाम समाज में सुशासन के रूप में मिलता है। किरण देव ने स्थानीय लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में तीन महीने पहले बनी भाजपा सरकार ने हर वह चुनावी वादा पूरा किया है जो हमने विधानसभा चुनाव के दौरान कहा था। भाजपा वादे नहीं गारंटी देती हैं। ओडिशा के लोगों का हर वोट से राज्य में भाजपा के विकसित भारत के संकल्प को मजबूत करेगा।

श्री सीमेंट लिमिटेड को फ्लाई ऐश की आपूर्ति के लिए बालको ने किया एमओयू

कोरबा। भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने श्री सीमेंट लिमिटेड के साथ समझौता (एमओयू) किया है। यह साझेदारी कम कार्बन वाले सीमेंट का उत्पादन करने के लिए बालको द्वारा श्री सीमेंट तक फ्लाई ऐश भेजने की सुविधा देगी। समझौते में श्री सीमेंट को 90 हजार मीट्रिक टन फ्लाई ऐश की आपूर्ति किया जाना है। इससे सीमेंट उद्योग में फ्लाई ऐश के सस्टेनेबल उपयोग के लिए महत्वपूर्ण सहयोग तथा सर्कुलर इकोनॉमी में बढ़ोत्तरी होगी।

फ्लाई ऐश थर्मल पावर उत्पादन का उप-उत्पाद है जिसमें विभिन्न उद्योगों में पुनरू उपयोग की महत्वपूर्ण क्षमता है। सीमेंट निर्माण में फ्लाई ऐश का उपयोग करने से लगभग 500 किलोग्राम कार्बन उत्सर्जन, 3.2 मिलियन गीगा जूल ऊर्जा और प्रति टन 250 लीटर पानी बचाया जा सकता है। इससे सीमेंट उद्योग के भीतर सस्टेनेबल तरीकों को अपनाने में योगदान मिला है। ऐसे उद्योगों में फ्लाई ऐश के प्रबंधन के लिए एक सहयोगात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा मिला है।

फ्लाई ऐश का उपयोग ईंट निर्माण, सड़क निर्माण, इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट और कृषि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में किया जाता है। बालको के श्ट्रांसफार्म द प्लेनेटश् की प्रतिबद्धता के अनुरूप कंपनी विभिन्न उद्योगों को फ्लाई ऐश की आपूर्ति कर रही है।

वित्तीय वर्ष 2024 में बालको ने इन क्षेत्रों को 4 मिलियन मीट्रिक टन से अधिक फ्लाई ऐश की आपूर्ति की है। इस पहल से 141: राखड़ का उपयोग हमारे रिसोर्स एफिशिएंसी और एनवायरमेंटल सस्टेनेबिलिटी को अधिकतम करने की प्रतिबद्धता के अनुरूप है।

जनसंख्या की यह बढ़ोतरी छत्तीसगढ़ में भी चिंता का विषय है : विजय शर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री व गृह मंत्री विजय शर्मा ने एक बार जनसांख्यिकी (डेमोग्राफी) में बदलाव को लेकर अपनी गहरी चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि जनसंख्या की यह बढ़ोतरी छत्तीसगढ़ में भी चिंता का विषय है। जनसंख्या में इतनी अधिक बढ़ोत्तरी के कारणों की जाँच की जानी चाहिए, ताकि घुसपैठ और वोट बैंक की राजनीति के लिए अवैध बसाहट का सच भी सामने आ सके।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि बिरनपुर की जो घटना हुई, उसकी सामाजिक पृष्ठभूमि क्या है? ऐसा क्या हुआ था, जिसके कारण यह घटना हुई? इस घटना के तमाम पहलुओं को समाज को समझाना पड़ेगा। यह केवल भाजपा को वोट देने या न देने का मसला भर नहीं है। लेकिन,

समाज में जो कुछ भी हो रहा है उसको समझने और उस पर निगाह रखने की ज्यादा आवश्यकता है। अगर आज हम इसकी गंभीरता को नहीं समझेंगे तो भविष्य में परेशानियाँ होंगीं। इस विषय पर एकल सदस्य समिति द्वारा एक जांच की गई थी। इसके सामाजिक पक्ष के लिए अभी और जाँच की आवश्यकता महसूस की जा रही है। इसकी आगे जांच कराई जाएगी और तब यह स्पष्ट होगा। कवर्धा जिले में गाँव-गाँव में इस तरह की घटनाएँ हुई हैं, जो मीडिया के माध्यम से सबके बीच आई है। गाँव-गाँव में ऐसे लोगों के नाम जुड़े हैं, जिनकी जानकारी गाँव वालों तक को नहीं है। ऐसे लोगों को गाँव वाले नहीं जानते, बीएलओ नहीं जानते कि यह लोग कहाँ से आ रहे हैं? इससे स्पष्ट है कि मामला कुछ तो है। जनसंख्या का लगभग 50 फीसदी तक बढ़ना, यह सामान्य बात नहीं है, और अगर असामान्य है, तो यह कैसे है? इसको हम नहीं समझेंगे तो और कौन समझेगा? कल के दिन यह परेशानी जब सामने आएगी तब सबको ध्यान आएगा।

उन्होंने पत्रकार द्वारा पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए कहा कि वे खुद इस मामले में एप्लीकेंट हैं। इस विषय को हमने चुनाव से पहले उठाया था। चुनाव आयोग में हमने आवेदन दिया भी है। मीडिया में भी इस विषय पर चर्चा भी चल रही है। श्री शर्मा ने कहा कि उनके पास आँकड़े हैं, इन्हें लेकर जाएँ और गाँव वालों से पूछिए तो यह गंभीर मसला आप सबको स्पष्ट हो जाएगा।

सरयूपारीण ब्राह्मण समाज ने मनाया भगवान परशुराम जन्मोत्सव

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। छत्तीसगढ़ी सरयूपारीण ब्राह्मण समाज जिला कांकेर ने भगवान परशुराम का जन्मोत्सव कार्यक्रम अत्यंत हर्षोल्लास एवं उमंग से पूजा अर्चना कर मनाया। कार्यक्रम समाज के संरक्षक सेवानिवृत प्राचार्य बहादुर लाल तिवारी के मुख्य आतिथ्य एवं कार्यकारी अध्यक्ष अनिल शर्मा के अध्यक्षता तथा शिवकुमार शुक्ला रवि किरणधर शर्मा श्रीमती देहुती तिवारी, श्रीमती सुमन शर्मा के विशेष आतिथ्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ स्थानीय ब्राह्मण समाज भवन में अक्षय तृतीया की संध्या 5 बजे भगवान परशुराम की पूजा अर्चना से हुआ। मंचस्थ अतिथियों एवं उपस्थित सदस्यों ने भगवान परशुराम की पूजा अर्चना कर सामूहिक आरती की।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बहादुर लाल तिवारी एवं अध्यक्षता कर रहे अनिल शर्मा ने भगवान परशुराम के जीवन चरित्र पर विस्तार से प्रकाश डाला जिसमे उनके अवतरण एवं चिरंजीवी होने संबंधी जानकारी प्रदान की। महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष श्रीमती रानी शर्मा द्वारा भगवान परशुराम जी के जीवन चरित्र पर रचित काव्य का पठन श्रीमती आराधना शर्मा के द्वारा किया गया। प्रसाद एवं स्वाल्पाहार वितरण के पश्चात आभार प्रदर्शन कोषाध्यक्ष टिंकेश्वर तिवारी के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन रामावतार शर्मा ने किया । अंत में समाज के दिवंगत सदस्यों जिसमें प्रमुख रूप से संरक्षक पवन कुमार शर्मा ,पूर्व अध्यक्ष मनहरण कृष्ण शर्मा, पधुमन प्रसाद शर्मा, सुशील शर्मा श्रीमती रुक्मणी तिवारी विनोद तिवारी कुमारी पांडे वैदेही शर्मा, शकुन मिश्रा, रमेश कुमार शर्मा अरुण शर्मा ,कमलेश मिश्रा के प्रति उनकी आत्मा की शांति हेतु सभी सदस्यों द्वारा मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सह सचिव अजय तिवारी युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अनूप शर्मा महिला प्रकोष्ठ की सचिव श्रीमती सुनीता तिवारी ,हरीश शर्मा आलोक शर्मा आशुतोष शर्मा, नितिन शर्मा निशांत शर्मा ,गजेन्द्र तिवारी जितेंद्र शर्मा सुशील तिवारी समीर मिश्रा लोकेश तिवारी प्रकाश तिवारी , सुनील पांडे महेंद्र शर्मा डॉ कमल अवस्थी कृष्णा तिवारी सौरभ मणी मिश्रा, हुकुमचंद दुबे उत्पला शर्मा हेमलता शर्मा सुनीता तिवारी माया तिवारी स्वर्णलता तिवारी आदि लोग उपस्थित थे।

भगवान परशुराम के जयकारों से गूंजा अंचल

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम का जन्मोत्सव न्यायधानी में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। शनिवार को भव्य शोभायात्रा निकली। अंचल भगवान परशुराम के जयकारों से गूंज उठा। झंडा व तोरन से प्रवेश द्वार को सजाया गया था जहां विप्रजनों ने पुष्पवर्षा का स्वागत अभिनंदन किया। सागर के प्रसिद्ध डमरू दल और ओडिशा का घंटा बाजा सहित कर्मा एवं पंथी नृत्य के साथ मनमोहक झांकिया निकली।

समग्र ब्राम्हण समाज एवं परशु सेना के नेतृत्व में भगवान परशुराम का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विप्र समाज के द्वारा दयालबंद स्थित शीतला माता मंदिर से शाम साढ़े चार बजे भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इसके बाद पं. देवकीनंदन दीक्षित अमरकंटक के शांतिकुटी आश्रम से आए आचार्य

रामभूषण महराज के आशीर्वचनों से समाज कृतार्थ हुआ। प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी बाजे-गाजे के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली। इस दौरान शोभायात्रा शीतला माता मंदिर दयालबंद से प्रारंभ होकर शहर के मुख्य मार्गों गांधी चौक, जूना बिलासपुर, गोल बाज़ार, सदर बाज़ार सिम्स चौक होते हुए पं.देवकीनंदन दीक्षित स्कूल प्रांगण में धर्मसभा के रूप में तब्दील हुआ जहां आचार्य रामभूषण महराज ने धर्मसभा को संबोधित किया। इस दौरान रामभूषण महारज ने कहा भगवान परशुराम त्याग और तपस्या के बल पर मौजूद है। समाज को हमेशा की तरह राष्ट्र निर्माण तथा जीवन की आचरण संहिता के पालन में अपनी भूमिका का निर्वहन करना है। आगे उन्होंने कहा कि कर्म हमारी छाया है जो हमारे साथ चलती है और अंत में उसका प्रतिफल हमें अवश्य मिलता है,आप सभी सदा संगठित रहें तथा राष्ट्र एवं धर्म के लिए सदैव समर्पित रहें। धर्म सभा के बाद आयोजन समिति द्वारा भजन संध्या का भी आयोजन किया गया था शोभायात्रा का जगह-जगह विभिन्न सामाजिक संगठनों जिसमें दयालबंद में जेके ग्रुप, हिंदू पंजाबी सनातन संस्था, गांधी चौक में पूज्य सिंधी पंचायत, जूना बिलासपुर में सार्वजनिक दुर्गा उत्सव, खारंग परिक्षेत्र सरयूपारीण ब्राम्हण, हटरी चौक में पाठक परिवार, समग्र ब्राम्हण एकता मंच, सिटी कोतवाली में महाराष्ट्र मंडल, त्रिलोक धर्म जागृति मंच, विश्व हिंदू परिषद, वंदे मातरम संस्था, बजरंग दल, गोल बाजार में उपमुख्यमंत्री अरुण साव एवं भाजपा, करोना चौक में दाऊदी बोहरा समाज, आदर्श युवा मंच, नवयुवक कान्यकुब्ज ब्राम्हण समाज, सदर बाजार में साराफ एसोसिएशन वेंकटेश मंदिर, सिम्स चौक में सर्व ब्राम्हण समाज, देवकीनंदन चौक में राजपूत क्षत्रिय समाज, सदर बाजार में अन्य संगठनों द्वारा स्वागत किया गया।

प्रमुख रूप से इनकी सहभागिता

आज के कार्यक्रम में प्रमुख रूप से विधायक सुशांत शुक्ला, बंशीलाल गौरहा बीके पांडेय, प्रदीप शुक्ला, चंद्र प्रकाश बाजपेयी, अरविंद दीक्षित, प्रभात मिश्रा, कमल तिवारी, गौरव तिवारी, जय शुक्ला, विवेक बाजपेयी, प्रवीण झा, राजेश त्रिवेदी, हर्षिता पाण्डेय, गोपाल तिवारी, सुदेश दुबे साथी, राजेश त्रिवेदी, शिवा मिश्रा, विनय शर्मा, राजकुमार तिवारी, सुशांत शुक्ला, आशुतोष तिवारी,आदर्श दुबे,अंशुमान शर्मा, प्रणव शर्मा,मनीष शर्मा,अमित शुक्ला, विवेक दुबे,ऋषभ चतुर्वेदी,महर्षि वाजपेयी, चुद्दू अवस्थी,जितेंद्र चौबे अपूर्व तिवारी, गौरव तिवारी, रिंकू त्रिपाठी,मिंकू त्रिपाठी,आदित्य दीक्षित,आलोक त्रिवेदी लक्ष्मीकांत दीक्षित, मनोहर लाल मिश्र सहित आदि लोग उपस्थित थे।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

डॉ अलंग ने लिया उद्यानिकी विश्वविद्यालय के कुलपति का चार्ज

रायपुर (ए.)। राज्यपाल ने महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय के कुलपति को तत्काल प्रभाव से हटा दिया है । इस संबंध में शुक्रवार को राजभवन से आदेश जारी किया गया है। राज्यपाल ने उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय अधिनियम, 2019 की धारा 17 अंतर्गत डॉ. राम शंकर कुरील को महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, पाटन, दुर्ग के कुलपति के पद से तत्काल प्रभाव से हटाये जाने का आदेश दिया गया है। महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय अधिनियम, 2019 की धारा 14(7) अंतर्गत संभागायुक्त, रायपुर संभाग, रायपुर को तत्काल प्रभाव से आगामी आदेश तक महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, पाटन, दुर्ग के कुलपति के रुप में दायित्व निवर्हन हेतु नामनिर्देशित किया गया है। आदेश के परिपालन में संभागायुक्त डॉ संजय अलंग ने आज ही कुलपति पद का कार्यभार भी ग्रहण कर लिया है।

छत्तीसगढ़ में सहायक शिक्षकों को पद मुक्त करने का आदेश, लोक शिक्षण संचालनालय ने शुरू की प्रक्रिया

रायपुर (ए.)। छत्तीसगढ़ में 3 हजार से ज्यादा बीएड प्रशिक्षित सहायक शिक्षकों को 6 सप्ताह के भीतर पद मुक्त करने का आदेश बिलासपुर हाईकोर्ट ने 2 अप्रैल को जारी किया था। जिस पर अब लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा पद मुक्ति की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। अब इन बीएड प्रशिक्षित सहायक शिक्षकों का कहना है की अपनी योग्यता और मेहनत से इस पद को प्राप्त किया है। निर्दोष होते हुए भी हमें पद मुक्त किया जाना न्याय संगत नहीं है। इसी मामले को लेकर सहायक शिक्षकों ने उच्च शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल से मुलाकात की। मुलाकात के बाद सहायक शिक्षकों ने बताया उच्च शिक्षा मंत्री ने छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा सुप्रीम कोर्ट में स्टे दायर करने की बात करते हुए विधिक सहायता का आश्वासन दिया है।

उपचार के आठ महीने बाद महिला हुई गर्भवती, दिया जुड़वां एवं स्वस्थ बच्चों को जन्म

मेकाहारा के डॉक्टरों ने 30 वर्षीय महिला को दिलाया मातृत्व सुख

रायपुर (ए.)। पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय रायपुर के रेडियोलॉजी विभाग के डॉक्टरों ने 30 वर्षीय महिला को गर्भाशय की दुर्लभ एंडोवैस्कुलर बीमारी एवी मालफॉर्मेशन नामक समस्या से निजात दिलाने में मदद की। महिला को कई महीनों से अत्यधिक रक्तस्राव की समस्या हो रही थी जिसके कारण उसका हीमोग्लोबिन काफी कम हो गया था। रेडियोलॉजी विभाग में डॉ. पात्रे के नेतृत्व में बिना सर्जिकल प्रक्रिया के गर्भाशय धमनी एम्बोलाइज़ेशन प्रक्रिया के द्वारा एवीएम में असामान्य रक्त वाहिकाओं को ब्लॉक कर दिया गया। इस प्रक्रिया के आठ महीने बाद महिला गर्भवती हो गई एवं उसने 2 (जुड़वां) स्वस्थ्य बच्चों को जन्म देकर मातृत्व सुख प्राप्त किया।

डॉ. विवेक पात्रे के अनुसार, बच्चेदानी का एवी मालफार्मेशन बहुत दुर्लभ होता है। सक्ति जिला की रहने वाली मरीज को बिलासपुर से अम्बेडकर अस्पताल रिफर किया गया। मरीज अम्बेडकर अस्पताल के स्त्री रोग विभाग में डॉ. रूचि किशोर गुप्ता की ओपीडी में आई थी, जहां पर डॉ. रूचि किशोर गुप्ता ने मरीज की समस्या को ध्यान में रखते हुए उसकी सभी प्रकार की जांच की और उस जांच में यह पता चला कि मरीज को एवी मालफार्मेशन की समस्या है जिसके लिए उन्होंने रेडियोलॉजी विभाग में डॉ. विवेक पात्रे के पास भेजा। डॉ. पात्रे ने मरीज की कलर डॉप्लर सिटी स्कैन एवं इसके बाद एमआरआई की जिसमें इस बीमारी का सटीक पता चला। कमर के नीचे बेहोश करके दाहिने जांघ के फिमोरल आर्टरी में एक पतली सी तार और कैथेटर डालकर पिन होल तकनीक से एवी मालफॉर्मेशन को खून सप्लाई करने वाली बायीं और दायीं धमनी को एम्बोलिक एजेंट डालकर बंद कर दिया गया। इससे मालफॉर्मेशन में खून का बहाव रुक गया। वहीं महिला का कहना है कि मातृत्व सुख, एक माँ के लिए सबसे बड़ा सुख होता है। गर्भावस्था में विभिन्न प्रकार की तकलीफें के बाद भी मातृत्व सुख असीम आनंद देने वाला होता है और अम्बेडकर अस्पताल के रेडियोलॉजी एवं प्रसूति रोग विभाग के डॉक्टरों के उपचार की मदद से मुझे भी मातृत्व सुख प्राप्त हुआ। इस बार मातृत्व दिवस मेरे लिए दो बच्चों के साथ बेहद सुखद अहसास लेकर आया है।

क्या है एवी मालफॉर्मेशन

गर्भाशय धमनीविस्फार विकृति (एवीएम) रक्त वाहिकाओं की एक असामान्य उलझन है जो पक्षी के घोंसले की तरह दिखती है। यह भारी और कभी-कभी जीवन-घातक योनि रक्तस्राव का एक दुर्लभ कारण है। जैसा कि नाम से पता चलता है, यह गर्भाशय की धमनी और शिरापरक परिसंचरण प्रणालियों के बीच एक असामान्य संबंध है। एंडोवैस्कुलर गर्भाशय धमनी एम्बोलाइजेशन (यूएई) एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें छोटे कणों या एम्बोलिक एजेंट (रेत के दाने के आकार के) को गर्भाशय की ओर जाने वाली रक्त वाहिकाओं में इंजेक्ट किया जाता है। कण वांछित स्थान में रक्त प्रवाह को रोकते हैं और इसे सिकोड़ते हैं। इस तकनीक से यूटेराईन फाइब्रॉएड को भी कम कर सकते हैं। साथ ही साथ पोस्ट पार्टम हेमरेज से बचाव कर सकते हैं। उपचार करने वाले टीम में डॉ. विवेक पात्रे के साथ डॉ. नोबल चंद्राकर, डॉ. राहुल ठाकुर, डॉ. प्रसंग, डॉ. जूही, एनेस्थेसिया से डॉ. प्रतिभा जैन शाह, टेक्नीशियन नरोत्तम और यशवंत साहू शामिल रहे।

टीबी के 12 हजार से ज्यादा मरीज, दवाओं का टोटा

एक से दूसरे व्यक्ति में फैलने वाली बीमारी है टीबी

रायपुर (ए.)। मध्य प्रदेश में क्षय रोग (टीबी) से पीड़ित 12 हजार से अधिक मरीज दवाओं का स्टाक समाप्त होने से संकट में हैं। प्रदेश में दवा की सप्लाई पूरी तरह ठप हो गई है। सरकारी अस्पतालों में फरवरी से ही टीबी दवाओं की किल्लत शुरू हो गई थी। कुछ समय तक तो अस्पतालों में जैसे तैसे काम चलता रहा, लेकिन पिछले एक माह से दवा बिल्कुल खत्म हो चुकी है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि प्रदेश के सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को स्थानीय स्तर पर खरीदी के निर्देश दिए गए हैं।

टीबी दवा की किल्लत प्रदेश ही नहीं देशभर में है। टीबी के मरीजों को दी जाने वाली दवाओं की आपूर्ति केंद्र सरकार के टीबी डिविजन द्वारा किया जाता है। वहां से ही दवाओं की आपूर्ति नहीं हो रही है। मध्य प्रदेश में टीबी के 12,730 मरीज हैं, जिनका इलाज चल रहा है। इनमें से आधे से अधिक ऐसे मरीज हैं, जिनका इलाज प्राइमरी स्टेज पर ही है। दवाओं के मरीज अस्पताल पहुंच रहे हैं लेकिन उन्हें बैरंग ही लाटना पड़ रहा है। बाजार में भी दवा उपलब्ध नहीं है।

दवा बंद करना खतरनाक

विशेषज्ञ का कहना है कि टीबी इतनी खतरनाक बीमारी है कि इसमें बीच में दवा को बंद नहीं किया जा सकता। विभिन्न कैटेगरीज में छह माह से दो साल तक चलने वाली दवा को मरीज के वजन के हिसाब से दी जाती है। यदि दवा में अंतराल हो जाए तो मरीज में ड्रग रेसिस्टेंट टीबी भी डेवलप हो सकती है, जो कि बेहद खतरनाक हो सकता है। टीबी मरीजों को खाली पेट ही दवा खानी होती है। कोर्स के बीच में लंबा अंतराल होने पर मरीजों का दोबारा फालोअप होता है। फालोअप की जांच रिपोर्ट के आधार पर दोबारा मरीजों का कोर्स शुरू होता है, जो छह माह का भी हो सकता है।

दूसरों में फैलने वाली बीमारी

डाक्टरों का कहना है कि माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिस नामक बैक्टीरिया से टीबी की बीमारी होती है। यह एक से दूसरे व्यक्ति में फैलने वाली बीमारी है। यह उन लोगों को जल्दी अपनी चपेट में ले लेता है, जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है।

गर्मियों में रेलयात्रा में मिलेगी राहत

रेलवे ने पुणे व मुंबई से बालेश्वर तक शुरू की समर स्पेशल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। गर्मियों में यात्रियों को सुविधा देने रेलवे द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहा है। इसी कड़ी में रेलवे द्वारा अधिक से अधिक लोगों को कन्फर्म बर्थ देने स्पेशल ट्रेनें चला रहा है। इसी कड़ी में पुणे व मुंबई से बालेश्वर के मध्य समर स्पेशल ट्रेन की सुविधा की सुविधा दी जा रही है। इससे हावड़ा की ओर जाने वाले यात्रियों को काफी राहत मिलेगी।

पुणे एवं बालेश्वर के मध्य एक फेरे के लिए समर स्पेशल ट्रेन की सुविधा दी जा रही है। 01451 पुणे-बालेश्वर समर स्पेशल दिनांक 18 मई, 2024 को शनिवार को पुणे से रवाना होगी। इसी प्रकार विपरीत 01452 बालेश्वर-पुणे समर स्पेशल दिनांक 20 मई, 2024 सोमवार को बालेश्वर से रवाना होगी। इस गाड़ी में कुल 22 कोच उपलब्ध रहेंगे ।

इस प्रकार छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल एवं बालेश्वर के मध्य एक फेरे के लिए समर स्पेशल ट्रेन की सुविधा दी जा रही है। 01055 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल-बालेश्वर समर स्पेशल दिनांक 18 मई, 2024 को शनिवार को छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल से रवाना होगी। इसी प्रकार विपरीत 01056 बालेश्वर-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल समर स्पेशल दिनांक 20 मई, 2024 सोमवार को बालेश्वर से रवाना होगी। इस गाड़ी में कुल 22 कोच उपलब्ध रहेंगे।

आयाम- ऊंची उड़ान का : प्रशासनिक सेवा के प्रतिभागियों ऑफिसर्स देंगे मंत्र

- 19 मई राजधानी रायपुर के पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में होगा आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के निर्देश पर जिला प्रशासन की ओर से अखिल भारतीय और राज्य प्रशासनिक परीक्षाओं की तैयारियों में जुटे स्थानीय युवाओं के लिए आयाम- ऊंची उड़ान का कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन रविवार 19 मई को शाम चार बजे से होगा। इसमें अखिल भारतीय सेवा के प्रशासनिक, पुलिस, वन और अन्य संवर्गों के अधिकारियों से सीधे संवाद कर प्रतिभागी अपनी तैयारियों के संबंध में मार्गदर्शन प्राप्त कर सकेंगे। इस कार्यक्रम में शामिल होने वाले सभी प्रतिभागियों को रविवार, 19 मई को दोपहर 3.30 बजे तक पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आकर अपना स्थान सुनिश्चित करना होगा।

यूपीएससी में चयनित युवा भी इस अवसर पर अपने अनुभव साझा करेंगे। हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले जिले के प्रतिभावान विद्यार्थियों को इस कार्यक्रम में 'मेधा सम्मान' से सम्मानित किया जाएगा। यह आयोजन पूरी तरह से फ्री है। अभिभावक भी इसमें शामिल होकर अपनी जिज्ञासाएं साझा कर सकेंगे। कार्यक्रम में शामिल होने के इच्छुक सभी प्रतिभागियों को http://surl.li/toqke लिंक पर अपना पंजीयन कराना अनिवार्य होगा।

इसमें अखिल भारतीय व राज्य प्रशासनिक सेवा से संबंधित प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े स्थानीय युवाओं को विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान करने 'आयाम- ऊंची उड़ान का' कार्यक्रम ल सकेंगे। इस कार्यक्रम में साल 2011 से 2024 तक चयनित आईएएस, आईपीएस, आईएफएस और अन्य संवर्गों के अफसरों को जिला प्रशासन ने विशेष तौर पर मार्गदर्शन के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। ये अधिकारी स्थानीय युवाओं को बदलते ट्रेंड, अध्ययन सामग्रियों की उपलब्धता, विषय चयन, प्रारंभिक, मेन्स व साक्षात्कार, भाषागत चुनौतियों के साथ ही तैयारियों की व्यवस्थित शुरूआत के संबंध में सभी जरूरी टिप्स देंगे।

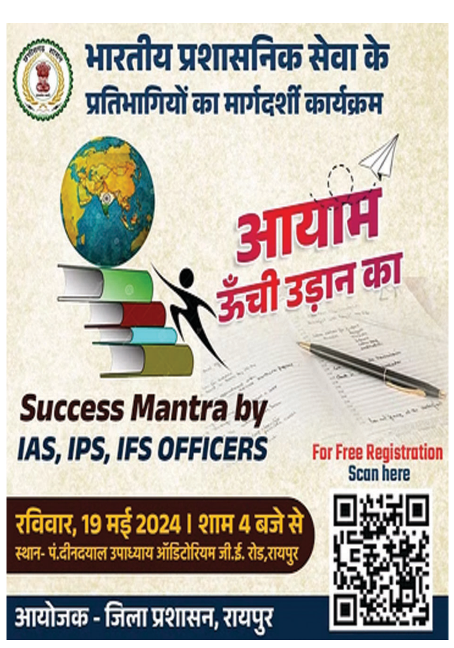

इस आयोजन के अंतर्गत 'मेधा सम्मान' समारोह का भी आयोजन होगा, जिसमें अखिल भारतीय सेवा की परीक्षा में चयनित अभ्यर्थियों के साथ ही 10-12वीं की परीक्षा में प्रावीण्यता प्राप्त करने वाले स्थानीय विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में नालंदा परिसर, तक्षशिला, सेंट्रल लाइब्रेरी, स्थानीय संस्थानों आदि में अध्ययनरत युवा प्रतिभागियों के साथ ही इस बार उनके अभिभावक भी शामिल हो सकेंगे और प्रशासनिक परीक्षाओं की तैयारियों से जुड़े अपने प्रश्नों के समाधान प्राप्त कर सकेंगे। कार्यक्रम में सम्मिलित होने http://surl.li/toqke लिंक पर जाकर अपना पंजीयन कराना अनिवार्य होगा। इस लिंक से संबंधित क्यू-आर कोड भी जारी किया गया है, जो जिला प्रशासन रायपुर, नगर निगम रायपुर व रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल्स जैसे- फेसबुक, ट्विटर-एक्स, इंस्टाग्राम आदि में उपलब्ध है।

आरंग में श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ का हुआ श्रीगणेश

विचार कीजिए कि हम कौन हैं व हमारा लक्ष्य क्या है-शर्मा

रायपुर (ए.)। वैशाख शुक्ल चतुर्थी शनिवार को सार्वजनिक गौरा-गुड़ी समिति केवशी लोधीपारा के तत्वाधान में अवंती बाई चौक लोधी समाज भवन आरंग में श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ का श्रीगणेश हुआ। सर्वप्रथम आचार्यगणों ने वैदिक मंत्रच्चार के साथ गौरी गणेश, सप्त मातृका, 64 योगिनी, सर्वतो भद्र मंडल, वास्तु मंडल नवग्रह मंडल, एक लिंगको, क्षेत्रपाल, बेदी पूजन की तत्पश्चात 351 कलशो के साथ भव्य कलश यात्र ने हरि नाम संकीर्तन के साथ नगर भ्रमण किया, जिसमें भक्तगण भक्ति रस में सरोबार दिखे।

वही व्यास पीठ से भागवताचार्य आचार्ययुगल किशोर शर्मा ने भागवत कथा का महत्व बताते हुए कहा कि आज चारों तरफ दूषित वातावरण है, अत: श्रीमद् भागवत कथा के माध्यम से हम अपने अपने विचारों को शुद्ध रख सकते हैं। उन्होंने दार्शनिक अंदाज में कहा कि भोगी यदि योगी हो जाए तो वह रोगी हो जाएगा इसलिए भागवत शास्त्र की रचना कलयुग के जीवन के उद्धार करने के लिए की गई है। उन्होंने भक्ति मार्ग को श्रेष्ठ बताते हुए गोपियों की भक्ति को दिव्या बताया, जो प्रत्येक वस्तु में कन्हैया को देखती हैं। उन्होंने श्रद्धालु जनों को प्रेरित करते हुए कहा कि विचार कीजिए कि हम कौन हैं। और हमारा लक्ष्य क्या है। वास्तव में हम जीव परमात्मा के अभिन्न अंग है। आगे उन्होंने उपदेश करते हुए कहा की भागवत मनुष्य को निर्भय बनाती है, श्री भागवत का आश्रय लेने से परम सुख प्राप्त होता है, मैं परमात्मा श्री कृष्ण का अंश और भगवान का दास हूं जब यह भावना मन में घर कर लेती है तो हम भक्ति मार्ग की ओर बढ़ने लगते हैं और परमात्मा हमारी ओर, उन्होंने

चुटकी लेते हुए कहा कि पाप करने में मनुष्य बड़ा सावधान और होशियारी दिखाता है किंतु पुण्य करने में नहीं पाप प्रकट हो गया तो जगत में अपकीर्ति होगी ऐसा सोचकर पाप को एकांत चित होकर करता है और इस कारण से अंत काल में उसे पापों की याद आती है। पंडित जी ने आत्मदेव ब्राह्मण की कथा सुनाई और विचारों की शुद्धि के लिए निष्ठावान बनने की बात की तथा ज्ञान वैराग्य और भक्ति की सुंदर व्याख्या करते हुए उन्होंने श्रीमद् भागवत कथा को उत्कृष्ट वैचारिक अनुष्ठान भी बताया।

वही मधुर भजनों में श्रोतागण भक्ति रस से डूबे रहे एवं मंगल आरती तथा प्रसाद वितरण के साथ पहले दिन की कथा का विश्राम हुआ। इस अवसर पर परायणकर्ता आचार्यगण आशीष पांडे, शैलेंद्र तिवारी एवं अधिक संख्या में माताएं, बहने, युवा, वरिष्ठ गणमान्यगण एवं मोहल्लेवासियों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

परिवार को दी गई 15 लाख रुपये की अनुग्रह राशि

रायपुर (ए.)। लोकसभा निर्वाचन 2024 की ड्यूटी में लगे अजय वर्मा का 06 मई को निधन हो गया। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबा साहेब कंगाले ने त्वरित संज्ञान में लेते हुए जिला प्रशासन को अनुग्रह राहत राशि देने की प्रकिया तत्काल पूरी करने का निर्देश दिया।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवम कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर 48 घंटे के भीतर प्रक्रिया पूरी की गई। आज नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा और उप जिला निर्वाचन अधिकारी उमाशंकर बंदे स्वर्गीय अजय वर्मा के डगनिया स्थित निवास पर पहुंचे और उनकी पत्नी श्रीमती नीलू वर्मा को 15 लाख रूपए का चेक सौंपा। स्वर्गीय अजय वर्मा नगर निगम के जनसंपर्क शाखा में कार्यरत थे। गौरतलब है कि स्वर्गीय अजय वर्मा के निधन होने पर 6 मई को कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने महादेवघाट स्थित मुक्तिधाम पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की थी और शोक व्यक्त किया था।

दिव्या खोसला कुमार का दिखा खूंखार रूप

फिल्म सवीः ए ब्लडी हाउस वाइफ का नया टीजर जारी

अनिल कपूर और दिव्या खोसला कुमार की आगामी फिल्म सवीः ए ब्लडी हाउसवाइफ का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह फिल्म 31 मई, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है।इससे पहले निर्माताओं ने बीते दिन सवीः ए ब्लडी हाउसवाइफ का पहला टीजर जारी किया गया था, जिसमें दिव्या का दमदार अवतार देखने को मिला। अब फिल्म का दूसरा टीजर सामने आ चुका है, जिसमें दिव्या बड़ी साजिश को अंजाम देती नजर आ रही हैं।

टीजर में दिव्या को यह कबूल करते हुए दिखाया गया है कि उनके पास 3 दिन के बाद लंदन में जेल ब्रेक की साजिश रचने और उसे अंजाम देने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।वे एक साधारण गृहणी हैं, लेकिन आखिरकार उन्होंने अपने हाथों को खून से क्यों रंगा है? यह तो फिल्म रिलीज होने के बाद ही पता चलेगा। फिल्म के निर्देशक की कमान अभिनय देव ने संभाली है। हर्षवर्धन राणे भी इस फिल्म अहम हिस्सा हैं।

फिल्म में दिव्या खोसला के साथ अनिल कपूर और हर्षवर्धन राणे भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म की पूरी शूटिंग लंदन में की गई है। किरदार देव की फिल्म सावी का निर्माण विशेष मनोरंजन और टी-सीरीज के बैनर मुकेश भट्ट, भूषण कुमार और कृष्ण कुमार ने किया है। शिव चाना और साक्षी भट्ट सह-निर्माता के रूप में शामिल हैं। यह फिल्म एक बेहतरीन एक्शन एक्शन से भरपूर है। हालांकि, यह देखने के लिए कि एक साधारण गृहिणी के जेल से पीछे की कहानी क्या है और वह इसे कैसे प्रदर्शित करती है, इसके लिए फिल्म के रिलीज होने तक का इंतजार करना होगा। यह फिल्म 31 मई, 2024 को रिलीज होगी।

सभी को कर्मों का फल यहीं भुगतना होगा

श्रेयस तलपड़े-विजय राज की कर्तम भुगतम का ट्रेलर जारी

श्रेयस तलपड़े और विजय राज की आगामी मनोवैज्ञानिक थ्रिलर फिल्म कर्तम भुगतम का दमदार ट्रेलर जारी हो चुका है। यह फिल्म कर्म और भाग्य की रोमांचक यात्रा पर ले जाएगी। दिलचस्प ट्रेलर एक ऐसी दुनिया की झलक पेश करता है, जहां मानव मनोविज्ञान ज्योतिष के रहस्यों से टकराता है। कर्तम भुगतम कर्म के जटिल जाल को दिखाता है और इस शाश्वत सत्य को साबित करता है कि कर्मों के परिणाम होते हैं।

टीजर एक ऐसी कहानी की ओर इशारा करता है, जो सदियों पुरानी सच्चाई को दिखती है। हर कार्य का एक परिणाम होता है। ट्रेलर में देखने को मिला की श्रेयस तड़पड़े का किरदार हंसी-खुशी जिंदगी जी रहा होता है, लेकिन अचानक उसके जीवन में कुछ ऐसी घटनाएं घटती हैं, जिसके बाद वह हताश हो जाता है और जब उनसे कहीं से उम्मीद नहीं मिलती तो वह ज्योतिषी के कर्म और भाग्य के खेल के जाल में फंस जाता है।

श्रेयस का किरदार समाधान पाने के लिए ज्योतिषी बने विजय राज के पास पहुंच जाता है, जो कर्म और उसके फल के बारे में बता रहा है। उन्होंने कहा कि जो होना है वो होकर रहेगा। जन्म, मृत्यु सब लिखी होती है, जो किया वो कर्म है, जो कर रहा है, वो धर्म है और जो होगा, वो कर्तम भुगतम। ज्योतिष और कर्म के प्राचीन सार्वभौमिक सत्यों को जोड़ते हुए फिल्म यह बताने की कोशिश करेगी कि कैसे हर काम के कुछ निश्चित परिणाम होते हैं, जैसी कि सदियों पुरानी हिंदी कहावत है कि जैसा करोगे, वैसा भरोगे।

काल और लक जैसी फिल्में बना चुके सोहम ने इस फिल्म का निर्देशन किया है। श्रेयस के अलावा फिल्म में विजय राज, मधु और अक्षा परदासानी जैसे प्रतिभाशाली कलाकार भी दिखेंगे। मेकर्स का दावा है कि कर्तम भुगतम एक ऐसी साइकोलॉजिकल थ्रिलर है, जो दर्शकों को शुरू से अंत तक अपनी सीटों से बांधे रखेगी। यह फिल्म 17 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म का निर्माण गांधार फिल्म्स एंड स्टूडियो प्राइवेट की ओर से किया गया है। इस फिल्म को पूरे भारत में हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में रिलीज किया जाएगा।

चियान विक्रम के बेटे ध्रुव की नई फिल्म का ऐलान, सामने आया बायसन का धांसू पोस्टर

साउथ सुपरस्टार चियान विक्रम की मोस्ट अवेटेड फिल्म थांगलान की रिलीज से पहले एक्टर के फैंस को बड़ा तोहफ मिला है। विक्रम के बेटे ध्रुव विक्रम की नई फिल्म का एलान हुआ है। इससे पहले फिल्म से दो पोस्टर सामने आए थे, जिन्होंने विक्रम के फैंस की बैचेनी बढ़ा दी थी। अब इन पोस्टर्स पर्दा हट चुका है और फिल्म के नाम का खुलासा हो चुका है। फिल्म का नाम बायसन है और फिल्म से एक पोस्टर भी जारी हुआ है।
इस पोस्टर में ध्रुव अपने घुटने को बल सिर नीचे करे बैठे हैं और उनके पीछे एक जंगली बैल का बड़ा सा स्टैच्यू है। इस फिल्म को मारी सेल्वाराज डायरेक्ट करने जा रहे हैं। ध्रुव ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर कर लिखा है, बायसन, उन सभी के लिए जो मेरे इंतजार में थे, इस निरंतर सपोर्ट और धैर्य के लिए धन्यवाद, अपनी तीसरी फिल्म और विजनरी डायरेक्टर मारी सेल्वाराज के साथ नई फिल्म की शूटिंग शुरू कर मैं बहुत उत्साहित हूं, बायसन की आज से शूटिंग शुरू। बता दें, ध्रुव ने साल 2019 में फिल्म आदित्य वर्मा से फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा था। इसके बाद वह वर्मा (2020) में दिखे। फिल्म स्टार फादर विक्रम की फिल्म महान (2022) में नजर आए। अब वह बतौर एक्टर अपनी नई फिल्म बायसन (2024) में नजर आने वाले हैं।
बता दें, विक्रम अपनी तमिल फिल्म थंगलान से लंबे समय से चर्चा में हैं। इस फिल्म की शूटिंग लंबे अरसे से चल रही है और फिल्म की कई बार रिलीज डेट टल चुकी है और अभी तक फिल्म की अगली डेट का एलान नहीं किया गया है। फिल्म की कहानी भारत में ब्रिटिशर्स के दौरान कोलर गोल्ड फील्ड में होने वाली काम पर बेस्ड है। फिल्म में विक्रम लीड रोल में हैं और उनके साथ एक्ट्रेस पार्वती और मालविका मोहनन दिखेंगी। इस फिल्म को पा रंजीत ने डायरेक्ट किया है।

हीरामंडी में इंटीमेट सीन की वजह से इस परेशानी का शिकार हुई श्रुति शर्मा, एक्ट्रेस ने सुनाई आपबीती

एक्ट्रेस श्रुति शर्मा ने हीरामंडीः द डायमंड बाज़ार में 'साइमा' के किरदार से लाखों दिल जीत लिए हैं। उनकी सादगी, शान और गायन कौशल ने उनके फैंस के मन में एक खूबसूरत जगह बना ली। हालाँकि, उनके काम की बात करें तो श्रुति ने 2019 में टेलीविजन सीरीज गठबंधन से अपने अभिनय की शुरुआत की थी। इससे पहले, एक्ट्रेस 2018 में रियलिटी शो इंडियाज नेक्स्ट सुपरस्टार्स में एक कंटेस्टेंट के तौर पर दिखाई दी थी। इसके बाद, वह 2021 में रिलीज़ हुई हिंदी फिल्म पगलैट में नजर आईं और अबू धाबी टेलीविजन के साथ अपने पहले अंतर्राष्ट्रीय प्रोजेक्ट पर भी काम किया।

अब, हाल ही में अपने एक इंटरव्यू में, श्रुति शर्मा ने हीरामंडीः द डायमंड बाज़ार में डायरेक्टर, संजय लीला भंसाली के साथ काम करने के अपने अनुभव का खुलासा किया। खैर, साइमा के किरदार के बारे में बात करते हुए, वह 'मल्लिकाजान' (मनीषा कोइराला) की बेटी, 'आलमज़ेब' (शर्मिन सहगल) की एक खास नौकरानी के रूप में दिखाई देती हैं।

उसी बातचीत में, श्रुति ने संजय के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में बहुत कुछ बताया। फिर, उनसे उनके और रजत कौल के बीच रोमांटिक सीन के बारे में भी पूछा गया, जिन्होंने 'इकबाल' (मल्लिकाजान के गाड़ीवान) का किरदार निभाया था। सीन में, वे दोनों रोमांटिक रूप से शामिल होते हुए बातचीत करते हैं। हालाँकि, यह सब एक घोड़े के अस्तबल में किया गया था, और उन्हें सूखी घास से भरी गाड़ी पर लुढ़कना था।

इसी बारे में बात करते हुए, श्रुति ने बताया कि उनके और रजत कौल के बीच अंतरंग सीन की शूटिंग पूरे एक दिन तक चली थी। इसलिए, फिल्मांकन के बाद, उनके शरीर पर लाल निशान आ गए, और उनका काजल धूल और गंदगी से सना हुआ था। हालाँकि, फिर भी, यह सीन उनके दिल में एक खास जगह रखता है।

जाह्नवी कपूर ने थाई-हाई स्लिट गोल्डन स्कर्ट पहन फ्लॉन्ट किया कर्व्स

शहद खाने से पहले इस तरह कर लें उसकी शुद्धता की पहचान

शहद सेहत के लिए अमृत जैसा है, लेकिन अगर यही शहद असली के बजाय नकली मिल जाए, तो जगह का काम भी कर सकता है। आइये जानते शहद की शुद्धता को जांचने के लिए आसान तरीके।

शहद को चीनी का एक बेहतरीन विकल्प माना जाता है। फिर भी इसे खाने में डर लगता है क्योंकि कमी शहद में नहीं है, बल्कि समस्या इसके गुणवत्ता की है। बिना मिलावट वाला शहद ढूंढना काफी चुनौतीपूर्ण काम है। इसलिए हम आपको कुछ तरीके बताने जा रहे हैं, जिनकी मदद से आप अपने शहद के शुद्धता की जांच कर सकते हैं। थम्ब टेस्ट -अपने अंगूठे पर थोड़ा शहद लें और ध्यान से देखें कि क्या यह किसी दूसरे लिक्विड पदार्थ की तरह उंगली के चारों ओर फैल रहा है। अगर ऐसा होता है, तो समझ जाइये कि यह शुद्ध नहीं है। वॉटर टेस्ट -एक चम्मच शहद लें और एक गिलास पानी में डालें। नकली शहद घुल जाएगा, जबकि शुद्ध शहद गिलास के निचले भाग में जम जाएगा।

फ्लेम टेस्ट- शुद्ध शहद ज्वलनशील होता है। लेकिन हम आपसे अनुरोध करते हैं कि आप इस टेस्ट को बहुत ही सावधानी के साथ और अपने जोखिम पर करें। सिरके का प्रयोग करें- एक बड़ा चम्मच शहद, थोड़ा पानी और सिरके की 2-3 बूंदें मिलाएं। अगर इस मिश्रण में झाग बनता है, तो इसके मिलावटी होने की संभावना है। हीट टेस्ट- अगर आप शुद्ध शहद को गर्म करते हैं, तो यह कैरामेलाइज हो जाएगा और झागदार नहीं बनेगा। वहीं अगर यह अशुद्ध होगा, इसे गर्म करने पर यह बुलबुलेदार हो सकता है।

बी-टाउन की खूबसूरत हसीना जाह्नवी कपूर अपने फैशन स्टेटमेंट्स और बोल्ड लुक्स के कारण चर्चाओं में बनी रहती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर पोस्ट होते ही बवाल मचा देता है। हाल ही में एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर ने अपने लेटेस्ट ग्लैमरस फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस आहें भरते हुए नजर आ रहे हैं एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर ने हाल ही में अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका हॉटनेस भरा अंदाज देखकर लोग दीवाने हो गए हैं।

इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने बेहद ही रिवीलिंग आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक कातिलाना पोज देती हुई नजर आ रही हैं। जाह्नवी कपूर जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनकी फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं। इन तस्वीरों एक यूजर ने कॉमेंट करते हुए लिखा- ये क्या बवाल है वहीं दूसरे यूजर ने लिखा है सो ब्यूटिफुल। फिर अन्य यूजर ने लिखा है- इतनी खूबसूरत, तीसरे यूजर ने लिखा यू लुक लाइक क्वीन।

बता दें एक्ट्रेस ट्रेडिशनल हो या फिर वेस्टर्न अपने हर लुक में कहर ढाती हैं। उनका हर एक लुक फैंस के बीच ट्रेंड करता है। साथ ही लोग उन्हें फॉलो भी करते हैं। जाह्नवी कपूर अपनी ग्लैमरस अदाओं से फैंस का ध्यान खींचना अच्छे से जानती हैं। और उनका हर एक अंदाज इंटरनेट पर बवाल मचा देता है। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। और आए दिन अपनी फोटोज और वीडियोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं।

खास खबर

1.31 लाख मानक बोरा तेंदूपत्ता संग्रहण करने का लक्ष्य

कोरबा। ग्रीन गोल्ड के नाम पर पहचाने जाने वाले तेंदूपत्ता ने न केवल वन विभाग की आमदनी बढ़ाई है बल्कि संग्राहकों को भी अपना जीवन स्तर ऊंचा उठाने का मौका दिया है। जिले के दो वनमंडल के अंतर्गत तेंदूपत्ता संग्रहण का काम जोर-शोर से चल रहा है। सरकार की नीति के अंतर्गत इस बार संग्राहकों को पारिश्रमिक का भुगतान ऑनलाइन किया जा रहा है। विपरित परिस्थितियों के बावजूद विभाग ने आशा जताई है कि समय पर वर्ष 2024 को संग्रहण लक्ष्य पूरा कर लिया जाएगा। कोरबा जिले के कोरबा और कटघोरा वनमंडल में आने वाले 12 वन परिक्षेत्र में तेंदूपत्ता संग्रहण का कार्य मई की शुरुआत से हुआ है। इसके लिए एक महीने का समय निर्धारित किया गया है। हालांकि अवधि का निर्धारण इस बात पर भी टिका होता है कि संबंधित क्षेत्र में तेंदूपत्ता कितनी मात्रा में मिल रहा है और कामकाज की गति क्या है। कोरबा वनमंडल के लिए सरकार की ओर से 55 हजार मानक बोरा और कटघोरा के लिए 76300 मानक बोरा तेंदूपत्ता संग्रहण करने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। दोनों वनमंडल को मिलाकर 86 हजार 852 संग्राहक इस काम में जुड़े हुए हैं। कोरबा वनमंडल में 38 हजार संग्राहकों को इस काम में शामिल कर रोजगार दिया गया है जबकि कटघोरा वनमंडल में यह संख्या 48 हजार 852 है। राज्य सरकार पिछली बार के मुकाबले तेंदूपत्ता संग्रहण कार्य से जुड़े श्रमिकों को 5500 रुपए प्रति मानक बोरा की दर पर भुगतान कर रही है। छत्तीसगढ़ के गठन के बाद से अब तक की यह सर्वाधिक राशि है जिसने ग्रामीणों को खुश किया है। बीते विधानसभा चुनाव के दौरान कामकाजी लोगों को लेकर मुख्य रूप से तत्कालीन कांग्रेस सरकार और भाजपा ने अपने-अपने घोषणा पत्र जारी किये थे जिसमें तेंदूपत्ता संग्राहकों को अधिक राशि देने के दावे किये गए थे। भाजपा के नेतृत्व में बनी सरकार ने बाजी मारी है। उक्तानुसार संग्राहकों को तेंदूपत्ता एकत्र करने को लेकर राशि का ऑनलाइन भुगतान किया जा रहा है। जिले में उपस्थित वन संपदा काफी समृद्ध है और वन क्षेत्र में रहने वाली आबादी के लिए सबसे बड़ा आर्थिक सहारा भी है।

जिला स्तरीय ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का कल

बालोद। कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल के मार्गदर्शन में जिला मुख्यालय बालोद में जिला स्तरीय ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 13 मई से शुरू हो रहा है। यह शिविर जिले के खिलाड़ियों को खेलविधा से परिचय कराने, खेल के तकनिकी ज्ञान से अवगत कराने एवं उनके खेल कौशल को निखारने हेतु 21 दिवसीय आयोजन 13 मई से 02 जून तक किया जाएगा। डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी जिला खेल अधिकारी सुश्री प्राची ठाकुर ने बताया कि उक्त खेल प्रशिक्षण शिविर में फुटबॉल, मार्शल आर्ट जु-जित्सु, ताईकाव्डो, एथलेटिक्स, कलियारी पट्ठ, भारोत्तोलन, हॉकी, कबड्डी और क्रिकेट का प्रशिक्षण दिया जाएगा। बालोद स्थित संस्कार शाला मैदान में फुटबॉल, जु-जित्सु, सरयू प्रसाद अग्रवाल इंडोर स्टेडियम में ताईकाण्डो, कलियारी पट्ठ, सरयू प्रसाद अग्रवाल स्टेडियम में एथलेटिक्स, क्रिकेट, फिटनेश व्लर्ड जिम में भारोत्तोलन, शा.उ.मा.वि. कन्नेवाड़ा में हॉकी और शा.उ.मा.वि. बघमरा में कबड्डी का प्रशिक्षण प्रशिक्षकों द्वारा दिया जाएगा। ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन 13 मई को सरयू प्रसाद अग्रवाल स्टेडियम बालोद में किया जाएगा। प्रशिक्षण शिविर में शामिल होने के लिए सब जूनियर, जूनियर वर्ग की बालक-बालिकाओं को निर्धारित प्रारूप में आवेदन (पासपोर्ट फोटो सहित) निर्धारित प्रशिक्षण स्थल या खेल एवं युवा कल्याण विभाग के कार्यालय में जमा करना होगा।

कलेक्टर ने आम नागरिक को धूप से बचने की अपील की

सारंगढ़ बिलाईगढ़। ग्रीष्म ऋतु में सूरज की तपिश ज्यादा होने से तापमान में वृद्धि के कारण नागरिकों को लू लगने की संभावना है, जिससे आम जनजीवन के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इसके मद्देनजर कलेक्टर श्री धर्मेश कुमार साहू ने आम नागरिक सहित जिलेवासियों से अपील किया है कि धूप में घर से अनावश्यक नही निकले। यदि जरूरी हो तो सर और चेहरे को कपड़े, टोपी से ढके। साथ में पानी की बोतल अवश्य रखें। कलेक्टर ने जिला अस्पताल सहित समस्त सामुदायिक, प्राथमिक एवं उप स्वास्थ्य केन्द्रों के संस्था प्रभारियों को लू से बचाव एवं उपचार हेतु पर्याप्त मात्रा में आवश्यक जीवन रक्षक दवाईयां एवं ओ. आर. एस. की उपलब्धता सुनिश्चित कर मरीजों का उपचार करने को कहा है। मैदानी स्वास्थ्य अमलों और मितानिनों के माध्यम से लू लगने के लक्षण के कारण और बचाव के उपायों के संबंध में स्वास्थ्य जागरूकता एवं प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। अगर ओ.आर.एस. न हो तो घर पर ही एक गिलास पानी में एक चम्मच शक्कर व एक चुटकी नमक मिलाकर जीवन रक्षक घोल तैयार किया जा सकता है। गांव में मितानिनों या डिपो होल्डर के पास ओ.आर.एस. और दवाईयां लेकर प्राथमिक उपचार के पश्चात निकट के स्वास्थ्य केन्द्र या चिकित्सक के पास जाकर मरीज को भर्ती कर उपचार कराना चाहिए।

इंडी गठबंधन वाले हार मान चुके हैं, शहजादे को उनकी उम्र से भी कम सीटें मिलेंगी - पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झारखंड के चतरा लोकसभा क्षेत्र के सिमरिया में शनिवार को चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि तीन चरणों के मतदान के बाद ही इंडी गठबंधन वाले अपनी हार मान चुके हैं। उन्हें इतनी भी सीटें नहीं मिलने जा रही कि लोकसभा में विपक्ष की मान्यता मिल सके। राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए पीएम मोदी ने कहा कि शहजादे को उनकी उम्र से भी कम सीटें मिलने जा रही हैं। प्रधानमंत्री ने चतरा से भाजपा के कालीचरण सिंह और हजारीबाग सीट से मनीष जायसवाल के लिए वोट मांगे और कहा कि आज उमड़ी भीड़ बता रही है कि 4 जून के नतीजे क्या होंगे।

झारखंड की झामुमो-कांग्रेस-राजद सरकार को भ्रष्ट बताते हुए पीएम मोदी ने कहा कि चोरों-लुटेरों को आपका बेटा मोदी जेल भेजकर रहेगा। झारखंड के कांग्रेस सांसद, मंत्री, मंत्री के पीए और पीए के नौकर के घर से जिस तरह नोटों के पहाड़ मिल रहे हैं, उससे शर्म से आंखें झुक जानी चाहिए, लेकिन इन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। जब कर्मचारियों के घरों से करोड़ों निकल रहे हैं तो इनके मालिकों के घर से कितना निकलेगा।

आरक्षण का मुद्दा उठाते हुए पीएम मोदी ने कहा कि झामुमो-कांग्रेस-राजद के लोग पिछड़ों, दलितों, आदिवासियों का आरक्षण छीनकर मुसलमानों को देना चाहते हैं। आंध्र प्रदेश में इन लोगों ने यही किया। इनकी चली तो ये देश में भी यही करेंगे। बाबा साहेब अंबेडकर भी धर्म के नाम पर आरक्षण के पक्ष में नहीं थे, लेकिन इंडी गठबंधन वाले यह मानने को तैयार नहीं।

लालू प्रसाद यादव का नाम लिए बगैर पीएम ने कहा कि बिहार और झारखंड में जंगल राज लाने वाले ने खुलकर कहा है कि आपका आरक्षण मुसलमानों को दिया जाना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अपमान का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि एक तो इन्होंने आदिवासी की बेटी को राष्ट्रपति बनाने की राह में रोड़े अटकाने की कोशिश की और अब उन्हें अपमानित कर रहे हैं। राष्ट्रपति अयोध्या में रामलला के दर्शन करने गईं तो 18वीं शताब्दी की सोच वाली कांग्रेस के नेता ने मुंबई में प्रेस कांफ्रेंस कर कहा कि मंदिर अपवित्र हुआ है। वे मंदिर का शुद्धिकरण करेंगे। उन्होंने पूछा कि क्या राष्ट्रपति का, एक आदिवासी की बेटी का अपमान बर्दाश्त किया जाना चाहिए?

उन्होंने झारखंड में अफीम के अवैध उद्योग के लिए राज्य की झामुमो-कांग्रेस-राजद गठबंधन की सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि इन्होंने इस राज्य में बस एक यही उद्योग लगाया है। इससे किसका भला होने वाला है? ये आपके बच्चों को बर्बाद करना चाहते हैं। इन्हें लगता है कि दलित, पिछड़े, आदिवासियों के बच्चे पढ़ जाएंगे तो हमारा क्या होगा? हमने झारखंड के विकास की जो योजनाएं शुरू कीं, उसमें इस सरकार ने रोड़े अटकाए।

पीएम मोदी ने कहा कि मैंने गरीबी देखी है, भूख का अनुभव किया है। मैं चाहता हूं कि कोई बच्चा भूखा न सोए, इसलिए 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दिया जा रहा है, लेकिन झारखंड की सरकार ने यहां झारखंड में राशन बांटने की व्यवस्था तबाह कर रखी है।

अयोध्या में पांच सौ साल के संघर्ष के बाद राम मंदिर बना था। वह जब वनवास पर निकले थे तो राजकुमार राम थे, लेकिन 14 वर्षों के बाद जब लौटे तो मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु राम थे। उन्होंने 14 साल आदिवासियों के बीच काटे। हम राम की पूजा करते हैं और राम को प्रभु बनाने वाले आदिवासियों की भी पूजा करते हैं, लेकिन इंडी गठबंधन वालों को आदिवासियों का गौरव बर्दाश्त नहीं होता।

खुल गए बदरीनाथ धाम के कपाट, साक्षी बने हजारों श्रद्धालु

बदरीनाथ (एजेंसी)। मांगलिक स्वर लहरियों के बीच रविवार को बदरीनाथ धाम के कपाट खुल गए है। श्रद्धालु अब छह माह यहीं भगवान बदरीविशाल के दर्शन और पूजा कर सकेंगे। हजारों श्रद्धालु इस पावन पल के साक्षी बने। कपाट खुलते ही धाम में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। वहीं, सीएम धामी ने भी तीर्थयात्रियों को धाम के कपाट खुलने की शुभकामनाएं दी। हल्की बारिश के बीच आर्मी बैंड एवं ढोल नगाड़ों की मधुर धुन और स्थानीय महिलाओं के पारंपरिक संगीत और नृत्य के साथ भगवान बदरी विशाल की स्तुति ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

धार्मिक परंपराओं के निर्वहन के साथ कुबेर जी, उद्धव जी एवं गाडू घड़ा दक्षिण द्वार से मंदिर में परिसर में लाया गया। इसके बाद मंदिर के मुख्य पुजारी रावल समेत धर्माधिकारी, हक हकूकधारी एवं बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने प्रशासन एवं हजारों श्रद्धालुओं की मौजूदगी में विधि विधान के साथ मंदिर के कपाट खोले।

मुख्य पुजारी वीसी ईश्वर प्रसाद नंबूदरी ने गर्भगृह में भगवान बदरीनाथ की विशेष पूजा-अर्चना करते हुए सबके लिए मंगलमय जीवन की कामना की। इसके साथ ही ग्रीष्मकाल के लिए बदरीनाथ के दर्शन शुरू हो गए हैं। उत्तराखंड के चारधामों की यात्रा उत्तरकाशी जिले में स्थित यमुनोत्री धाम से शुरू होती है, जो गंगोत्री और केदारनाथ होते हुए बदरीनाथ धाम पहुंचती है। यमुनोत्री, गंगोत्री और केदारनाथ मंदिर के कपाट 10 मई को खोल दिए गए हैं। कपाट खुलने के मौके पर श्रीबदरीनाथ पुष्प सेवा समिति ऋषिकेश के सहयोग से आस्था पथ से लेकर धाम को ऑर्किड और गेंदे के 15 क्विंटल फूलों से सजाया गया है।

आदिकेदारेश्वर के कपाट भी खुले

बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने से पहले आदिकेदारेशवर मंदिर के कपाट खुलते है। परंपरा के अनुसार सुबह पांच बजे से बदरीनाथ मंदिर के कपाट खोलने की प्रक्रिया शुरू हुई, जिसके तहत 5 बजकर 20 मिनट पर पर वैदिक मंत्र उच्चारण शुरू हुए। इसके साथ ही जब रावल ने बदरीनाथ मंदिर के द्वार दरवाजे पर लगी सील को खोला, उसी समय राज दरबार के प्रतिनिधि कांता प्रसाद नौटियाल ने मंदिर के मुख्य द्वार का दरवाजा खोला और सर्वप्रथम बदरीनाथ के रावल और बतला बड़वा ने मंदिर के गर्भ गृह में प्रवेश किया। वहीं, भू-बैकुंठ धाम में अन्य तीर्थ स्थलों पर भी श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी है। मंदिर के कपाट खुलने के साथ ही तप्तकुंड, नारद कुंड, शेषनेत्र झील, नीलकंठ शिखर, उर्वशी मंदिर ब्रह्म कपाल, माता मूर्ति मंदिर व देश के प्रथम गांव माणा, भीमपुल, वसुधारा जलप्रपात एवं अन्य ऐतिहासिक व दार्शनिक स्थलों पर भी श्रद्धालु पहुंचने लगे हैं।

बीते वर्ष पहुंचे थे रिकॉर्ड श्रद्धालु

बता दें कि 2016 में 6,54355, वर्ष 2017 में 9, 20466 वर्ष 2018 में 10,48051 वर्ष 2019 में 12, 44993, वर्ष 2020 में 15,5055 श्रद्धालु बदरीनाथ धाम पहुंचे थे। वर्ष 2021 में कोरोना संकट के कारण 1,97997 श्रद्धालु ही बदरीनाथ आए। जबकि कोरोना महामारी पर नियंत्रण के बाद विगत वर्ष 2022 में 17,63549 और 2023 में रिकॉर्ड 18, 39591 श्रद्धालुओं ने बदरी विशाल के दर्शन किए।

नवतपा से पहले अंधड़ और बेमौसम बारिश का अलर्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। नवतपा से पहले कोरबा जिले के अलावा न केवल आसपास के जिलो बल्कि बड़े हिस्से में अगले कुछ दिनों तक बादल और बारिश के हालात रहेंगे। राज्य में कहीं-कहीं पर गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ेंगी। मौसम विभाग की ओर से बताया गया कि 12 मई से 14 मई तक सभी संभागों में अंधड़ के साथ बारिश हो सकती है। वहीं, अगले 2 दिन 2 से 3 डिग्री दिन का तापमान बढ़ेगा। शुक्रवार को सबसे अधिकमत तापमान 43.3 डिग्री कोरबा में रिकार्ड किया गया।

चार दिन पहले ही कोरबा में जमकर अंधड़ आने से कई प्रकार के नुकसान हुए । पूरे जिले में इसका असर देखा गया। मजबूत पेड़ो के टूटने के कारण बिजलीपूर्ति बाधित रही। तेज हवाओं के साथ आंधी चलने के कारण बारिश कई जगह पेड़ गिरने से रास्ता बाधित हो गया । जिले में आकाशीय बिजली गिरने से भी नुकसान हुआ। तीन मवेशियों की भी मौत हुई है।मौसम विभाग के मुताबिक गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। इस दौरान कहीं-कहीं पर बादलों की गरज के साथ अंधड़ भी चल सकती है। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि 13 मई से बारिश, अंधड़ और गरज-चमक पडने की गतिविधियां बढ़ेंगी। इसका असर राज्य के सभी संभागों में नजर आएगा। इस वजह से दिन के तापमान में गिरावट आएगी। 15 मई तक प्रदेश में यही हालात रहेंगे।उत्तर-पश्चिम राजस्थान के ऊपर एक चक्रवात है। यहां से मध्यप्रदेश, झारखंड, प. बंगाल होते हुए दक्षिण असम तक एक द्रोणिका है। मध्यप्रदेश और आसपास 1.5 किमी की ऊंचाई पर एक चक्रवात है। इस सिस्टम की वजह से समुद्र से नमी आ रही है।

सलाह : पशुओं को छांव में रखें और आटा, रोटी, चावल नही खिलाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

सारंगढ़ बिलाईगढ़ । पशुपालकों को भीषण गर्मी में पशुओं को धूप में रस्सी से बांधने से बचना चाहिए। किसी कारणवश धूप में बिना चारा पानी के बांधकर भूल जाने से अप्रिय स्थिति निर्मित हो सकती है। संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं छत्तीसगढ़ ने सभी जिलों के प्रभारी पशु चिकित्सा अधिकारियों को पशुधन के ग्रीष्मकालीन प्रबंधन पर निर्देश सहित पत्र जारी किया है। जारी निर्देश अनुसार पशु गृह में हवा का मुक्त आवागमन सुनिश्चित कर पशुओं को सीधी को धूप से बचने के लिए पशुशाला के मुख्य द्वार पर खस या जूट की बोरियों के पर्दे लगाने चाहिए। पशुओं को गर्मी से बचाने के लिए पशु शाला में पंखे, कूलर और स्प्रिंकलर सिस्टम लगाये जा सकते हैं। यह दुधारू पशुओं के लिए उपयुक्त है। पशु शाला में पर्याप्त स्वच्छ पेयजल हमेशा उपलब्ध हो और यह पेयजल छांव में होना चाहिए। पानी और पानी के कुंड को हमेशा साफ रखें। पानी के कुंड की नियमित रूप से चुने से सफाई करनी चाहिए। पशुओं में लू लगने पर पशु चिकित्सक से परामर्श लें।

पशु आहार खिलाने में सावधानी : पशुओं को कार्बोहाइड्रेट युक्त भोजन जैसे आटा, रोटी, चावल आदि नही खिलाएं। संतुलित आहार के लिए अनाज और चारे का अनुपात 40 : 60 रखें। गर्मियों के दौरान उगाई जाने वाली ज्वार में जहरीले पदार्थ हो सकते हैं, जो जानवरों के लिए हानिकारक हो सकते हैं इसलिए वर्षा के अभाव में ज्वार की फसल को पशुओं को

खिलाने से पहले दो-तीन बार सिंचाई करना आवश्यक है।

मौसमी बीमारी की रोकथाम के लिए पशुओं को टीका लगवाएं : पशुओं में बरसात के मौसमी बीमारियों की रोकथाम हेतु गर्मी में एचएस, एफएमडी, बीक्यू आदि के टीके लगवाने चाहिए।

अधिकारियो को निर्देश : पत्र में अधिकारियो को निर्देश दिया गया है कि पशु शाला के खुले क्षेत्र के आसपास छायादार पेड़ लगाए, जो तापमान को कम करने में सहायक होते हैं। अपने क्षेत्र में चारे की पर्याप्त व्यवस्था और उपलब्धता तथा पशुओ हेतु पेयजल की उपलब्धता स्थानीय निकाय से समन्वय बनाकर सुनिश्चित करें। जिले के सभी पशु चिकित्सा संस्थानों में जीवन रक्षक औषधि का भंडारण सुनिश्चित करें।

उल्लेखनीय है कि जारी पत्र में भारतीय जीव जंतु कल्याण बोर्ड और छत्तीसगढ़ शासन राजस्व विभाग का प्रबंधन के पत्र का हवाला दिया गया है।

इस सप्ताह गर्मी का असर कम

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर । भीषण गर्मी के बीच बीते कुछ दिनों से मौसम का मिजाज बदला हुआ है। शाम के वक्त काली घटाएं संग बूंदाबांदी तो कहीं हल्की वर्षा जैसी स्थिति बन रही है। शनिवार को भी कुछ ऐसा ही रहा। दिन का अधिकतम तापमान 40.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रवि को मौसम खुशनुमा रह सकता है। मौसम विभाग ने हवाओं की गति तेज रहने व हल्की वर्षा की संभावना व्यक्त किया है। शनिवार को न्यायधानी का मौसम गर्म रहा। सुबह आसमान में हल्के बादल छाए हुए थे लेकिन दिन चढ़ने के साथ गर्मी का असर तेज हुआ। जिस वजह से तापमान में वृद्धि दर्ज की गई। एक दिन पहले जहां दिन का अधिकतम तापमान 38.6 डिग्री

सेल्सियस दर्ज किया गया था तो वहीं शनि को पारा 40.4 डिग्री पर पहुंच गया। राहत की बात यह है कि अभी भी तापमान सामान्य से 1.5 डिग्री सेल्सियस कम है। इसी तरह रात में यही स्थिति है। न्यूनतम तापमान 25.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विशेषज्ञ अब्दुल सिराज खान का कहना है कि शनि की अपेक्षा रवि को वर्षा की संभावना थोड़ी ज्यादा रहेगी। दिनभर आसमान में बादल नजर आ सकते हैं। वैसे अभी दो-तीन दिनों तक आसमान में बादलों की उपस्थिति बनी रहेगी। मौसम विभाग की मानें तो एक द्रोणिका पश्चिम उत्तर प्रदेश से दक्षिणी असम तक 0.9 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। एक द्रोणिका/हवा की अनियमित गति मराठवाड़ा से कोमोरान क्षेत्र तक 0.9 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। जिस वजह से मौसम में बदलाव हुआ है। एक-दो दिन प्रदेश में वर्षा की संभावना बहै।

प्रदेश में 12 मई को कुछ स्थानों पर हल्की वर्षा होने अथवा गरज-चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। एक दो स्थानों पर गरज चमक के साथ अंधड़ चलने तथा वज्रपात होने की संभावना है।अधिकतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन होने की संभावना नहीं है किंतु हल्की वृद्धि का दौर लगातार जारी रहने की संभावना है। शनि की शाम जिस तरह से तेज हवाएं चली वातावरण में ठंडक महसूस होनी लगी। हालांकि नमी का असर कम रहा। जिस वजह से रात में उमस रही। मौसम के इस व्यवहार के कारण भले ही लोगों को थोड़ी राहत मिली। इधर शाम को लोग घरों से बाहर निकलकर टहनले लगे।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

धान खरीदी में फर्जीवाड़ा 10 लोगों पर मुकदमा हुआ दर्ज

पिथौरा-रायपुर (ए.)। महासमुंद जिले के जाड़ामुड़ा धान खरीदी फर्जीवाड़ा में आज दस अन्य लोगों के नाम पर एफआईआर दर्ज किया गया है। धान खरीदी में फर्जीवाड़ा के आरोप में पहले ही समिति प्रबंधक उमेश भोई, दो ऑपरेटर मनीष प्रधान, मनोज प्राधान और एक किसान राम प्रसाद के खिलाफ बसना थाने में एफआईआर दर्ज थी। बता दें, महासमुंद जिले में धान खरीदी में 2 करोड़ रुपए का फर्जीवाड़ा किया गया है। इस मामले में जोड़े गए 10 अन्य आरोपियों में संतलाल प्रधान, निराकार प्रधान, दासरथी प्रधान, बोदराम, मनोहर सहित अन्य लोगो के नाम शामिल हैं। बसना थाना प्रभारी शंशाक पौराणिक ने बताया कि, महासमुंद कलेक्टर ने मामले की गंभीरता को देखते हुए 19 / 2/024 को धान खरीदी के प्रभारी उमेश भोई और किसान राम प्रसाद बरीहा के खिलाफ एफआईआर के आदेश दिए गए थे, जिस पर बसना थाने मे एफआईआर दर्ज हुई और 5 सदस्य टीम गठित की गई थी। जिसके बाद मामले में जांच अधिकारियों के जांच प्रतिवेदन के बाद फर्जीवाड़े में शामिल 10 अन्य लोगों के नाम इस मामले में जुड़ गया है।

2 वारदातों में शामिल बदमाशों को कोर्ट ने सुनाई सजा

रायपुर (ए.)। पहला मामला 2 मार्च 2023 का है। प्रियांशु अग्रवाल अपने दोस्तों के साथ चाय पीने के लिए शाम साढ़े 6 बजे के आसपास समता कॉलोनी स्थित चाय दुकान पर गया हुआ था। तभी वहां पर जोरा पारा का रहने वाला मोहन यादव अपने दोस्तों के साथ पहुंचा। तभी मोहन और प्रियांशु के बीच उधारी के पैसे को लेकर विवाद हो गया। इस विवाद के दौरान मोहन ने कैंची से प्रियांशु पर अटैक कर दिया। इस घटना में प्रियांशु बुरी तरह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर गया। इसके बाद आनन-फानन में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसकी मौत हो गई। इसके बाद आजाद चौक पुलिस ने 23 मार्च 2023 को कोर्ट में केस डायरी पेश की। गवाहों और सबूतों के आधार पर अब्दुल जाहिद कुरैशी ने आरोपी को उम्र कैद की सजा सुना दी।

एक करोड़ 80 लाख रुपए का अल्युमिनियम रास्ते से गायब

कोरबा (ए.)। बालको से निकला अल्युमिनियम गंतव्य पर नहीं पहुंचा। एक करोड़ 80 लाख रुपए का अल्युमिनियम रास्ते से गायब हो जाने के मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई। रिपोर्टकर्ता बनी सिंह ईस्ट इंडिया ट्रांसपोर्ट एजेन्सी रायपुर में मैनेजर के पद पर काम करता है। रिपोर्ट दर्ज कराया है कि 21 अप्रैल को ट्रक नंबर जी.जे 12 बी एक्स 9094 के ड्रायवर जीत पटेल के द्वारा 29.280 ,म टी एल्युमिनियम ट्रक में लोड कर जिसका कीमत 8991742/- रूपये एवं 22 अप्रैल को ड्रायवर अरविंद के द्वारा ट्रक में 29.334 एल्युमिनियम जिसका कीमत 9008325 रूपये को बालको प्लांट से एल्युमिनियम लोड कर ईस्टर लाईट पावर ट्रांसमिसन लिमिटेड सिलवासा गुजरात में एल्युमिनियम को खाली करने के लिए निकले है, जो आज तक वहां नहीं पहुंचे हैं। कम्पनी के लोगों को ऐसा पता चला कि उक्त दोनों ट्रकों के ड्रायवर जीत पटेल एवं अरविंद के द्वारा अपराधिक विश्वासघात करते हुए ट्रकों में लोड एल्युमिनियम को बालको प्लांट से ले जाकर सिलवासा डिलवरी करना था वहां न ले जाकर कंपनी के साथ विश्वासघात करते हुए अन्यत्र स्थान पर ले जाकर सदोष लाभ अर्जीत करने बिक्री कर दिया गया है। प्रार्थी के आवेदन पर बालकोनगर थाना में धारा 406 भादवि के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

मारे गए सभी नक्सलियों की हुई शिनाख्त

एसपी जितेन्द्र यादव ने प्रेसवार्ता कर दी जानकारी, दो नक्सलियों पर था 8-8 लाख का इनाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। जिले के पीडिया के जंगलों में शुक्रवार को हुई मुठभेड़ में मारे गए सभी 12 नक्सलियों की पहचान हो गई। शनिवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में एसपी जितेन्द्र यादव ने प्रेसवार्ता कर सभी नक्सलियों की पहचान बताई। साथ ही मुठभेड़ से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी भी दी। एसपी ने बताया कि मारे गए नक्सलियों में दो पर 8-8 लाख का इनाम था। वहीं कुल 30 लाख रुपए के इनामी नक्सली इस मुठभेड़ में मारे गए। मौके से भारी मात्रा में हथियार भी बरामद किए गए हैं।

एसपी जितेन्द्र यादव ने बताया कि बीजापुर का पीडिया इलाका दक्षिण बस्तर डिविजनल नक्सलियों का गढ माना जाता है। इस क्षेत्र में एंटी नक्सल ऑपरेशन चलाया गया जिसमें कोबरा, डीआरजी, सीआरपीएफऔर एसटीएफ के जवानों ने मोर्चा संभाला। एसपी ने बताया कि गंगालूर थाना क्षेत्र के अंर्तगत पीडिया के जंगलों में सुबह पांच बजे से शाम छः बजे तक पुलिस और नक्सलियो की मुठभेड चलती रही। इस अभियान में कोबरा डीआरजी सीआरपीएफऔर एसटीएफके जवानों के साथ मुठभेड हुई। मुठभेड में जवानों ने 12 नक्सलियों को ढेर कर शव बरामद किया है।

मुठभेड़ में यह नक्सली मारे गए

मारे गए नक्सलियों में बुधु ओयाम मिलिटी कम्पनी नम्बर दो सदस्य पीपीसीएम पता मल्लेपल्ली थाना बासागुडा इनामी आठ लाख, कल्लू पुनेम मिलिटी कम्पनी नम्बर दो सदस्य पीपीसीएम इनामी आठ लाख, लक्खे कुंजाम एसीएम गंगालूर एरिया कमेटी इतावार थाना गंगालूर इनामी पांच लाख ,भीमा कारम मिलिटी प्लाटून नम्बर 12 सदस्य पीपीसीएम इनामी पांच लाख, सन्नू लेकाम मिलिशिया प्लाटून कमांडर पीडिया आरपीसी पीडिया थाना गंगालूर इनामी दो लाख, सुखराम अवलम जनताना सरकार उपाध्यक्ष पीडिया आरपीसी, पीडिया थाना गंगालूर इनामी दो लाख, चैतू कुंजाम मिलिशिया सदस्य पीडिया आरपीसी पता इतावार थाना गंगालूर इनामी तीस हजार, सुनीता कुंजाम मिलिशिया सदस्य पीडिया आरपीसी इतावार थाना गंगालूर इनामी तीस हजार, सन्नू अवलम भूमकाल मिलिशिया सदस्य पीडिया आरपीसी पीडिया थाना गंगालूर इनामी तीस हजार, जोगा बरसी मिलिशिया सदस्य पीडिया आरपीसी इतावार थाना गंगालूर इनामी तीस हजार, भीमा ओयाम मिलिशिया सदस्य आरपीसी पीडिया थाना गंगालूर इनामी 10 हजार, दुला तामो मिलिशिया सदस्य पीडिया आरपीसी पीडिया थाना गंगालूर 10 हजार राशि घोषित था।

मुठभेड़ में तीन नक्सली भी घायल

एसपी जितेन्द्र यादव ने बताया कि आईईडी की चपेट में आने से सुरक्षाबल के दो जवान घायल हुए हैं। वहीं क्रॉस फायरिंग के दौरान एक ग्रामीण घायल अवस्था में मिला है। इसके अलावा मुठभेड में तीन नक्सली भी घायल हुए हैं।जिनका जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। एसपी जितेन्द्र यादव ने बताया कि इस अभियान में यह भी देखने को मिला कि सुबह पहली मुठभेड के बाद नक्सलियों ने अपने कपड़े बदले और ग्रामीणों के साथ शामिल हो गये थे।

पालनार एवं मुतवेंडी कैम्प पर हमला करने का था प्लान

एसपी ने बताया कि टीसीओसी के लिए नक्सली एकत्रित हुए थे और उनकी पालनार एवं मुतवेंडी कैम्प पर हमला करने की योजना थी। पीड़िया के जंगल में नक्सली संगठन के एसजेडसी सदस्य चैतु, लेंगु एवं पापाराव, पीएलजीए कंपनी नम्बर 02 कमांडर वेल्ला, छङ्कष्ट सचिव हुंगा, प्लाटून नम्बर 13 कमांडर झीतरू, प्लाटून नम्बर 12 कमांडर सुखराम, मलांगिर एरिया कमेटी प्लाटून नम्बर 24 कमांडर जयलाल, गंगालूर एरिया कमेटी सचिव दिनेश मोड़ियम एवं अन्य 100-150 सशस्त्र नक्सली की उपस्थिति की सूचना पर मुठभेड हुई।

किसानों के खाते से 1.84 करोड का गबन, एचडीएफसी बैंक मैनेजर के खिलाफ एफआईआर दर्ज

जानिए कैसे लगाया चूना

धमतरी। कुरूद के एचडीएफसी बैंक के खाताधारकों के खातों से फर्जी तरीके से पैसा आहरण करने के मामले में पुलिस ने बड़ा एक्शन लिया है। एचडीएफसी बैंक में खाताधारकों का करोड़ों रुपये हजम करने वाले बैंक मैनेजर श्रीकांत टिनेटी और उसके सहयोगी तजेंद्र साहू के खिलाफ कुरूद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

बता दें कि लोगों के खातों से बैंक के मैनेजर श्रीकांत टिनेटी और उसके सहयोगी तजेंद्र साहू ने बचत खाता, क्रेडिट कार्ड ऋण पुस्तिका एवं अन्य माध्यमों से अलग अलग तरह के लोन और खातों में जमा पैसे को आहरण करके करोड़ों रुपये की हेराफेरी की। कुरूद के एचडीएफसी बैंक के खाताधारकों के खातों से फर्जी तरीके से पैसा आहरण किया गया। जिस पर कुरूद पुलिस ने प्रार्थी खाता धारकों और बैंक से आवश्यक दस्तावेज जुटाकर एचडीएफसी बैंक के तत्कालीन शाखा प्रबंधक श्रीकांत टिनेटी और उसके सहयोगी कर्मचारी तजेंद्र साहू के खिलाफ 22 पीड़ित खाताधारकों की रिपोर्ट पर 1 करोड़ 84 लाख रुपए की हेराफेरी का मामला दर्ज किया गया।

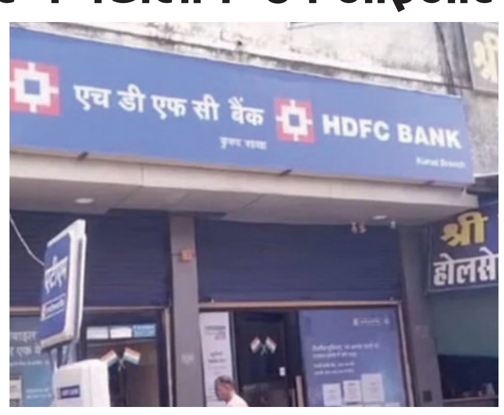

एडिशनल एसपी अभिषेक सिंह ने बताया कि एक करोड़ 84 लाख रुपये के हेराफेरी का मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया है, अब तक 22 से 23 लोगों की शिकायत पर एक करोड़ 84 लाख रुपये की हेराफेरी का अपराध दर्ज किया गया है। मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

पेट्रोल पंप में लूट का प्रयास, असफल होने पर कर्मी को मारा चाकू

बिलासपुर (ए.)। सरकंडा थाना क्षेत्र अंतर्गत पंप कर्मी के साथ चाकू की नोक पर लूटपाट करने का मामला प्रकाश में आया है। जिसकी लिखित शिकायत माता चौरा पुराना सरकंडा निवासी कान्हा साहू ने सरकंडा थाना में दर्ज कराया है। जहां उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि रोज की तरह वहा शुक्रवार को भी सरजू पेट्रोल पंप में पैट्रोल डालने का काम कर रहा था। तभी सुबह अचानक निशांत और आनंद वहा पहुंचे और प्रार्थी के हाथ से पंप का पैसा लूटने लगे। जिन्हे मना करने पर उन्होंने प्रार्थी पर चाकू से हमला कर दिया। जिससे प्रार्थी दाहिने हाथ के भुजा, और कलाई के उपर चोट लगी। इधर इस बीच आरोपी निशांत चाकू से वार कर वहां से भाग गया लेकिन उसका साथी आनंद को पंप के अन्य कर्मचारियो ने पकड़ लिया। इधर प्रार्थी को आनन फानन में साव नर्सिंग होम में प्राथमिक उपचार कराया गया। वही प्रार्थी की शिकायत के बाद सरकंडा पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

चाकलेट खिलाने के बहाने बच्ची से छेड़छाड़

सुपेला पुलिस की गिरफ्त में आया बदमाश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सुपेला थाना क्षेत्र में नाबालिग बच्ची से छेड़छाड़ के मामले में पुलिस ने एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने चॉकलेट व बिस्किट खिलाने के बहाने बच्ची को ले गया और छेड़छाड़ किया। इस मामले में पीड़ित की मां ने शिकायत दर्ज कराई। सुपेला पुलिस की सक्रियता से आरोपी बदमाश पकड़ाया।

मिली जानकारी के अनुसार पुरानी बस्ती सुपेला की रहने वाली महिला थाना सुपेला उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराई। अपनी शिकायत में उसने बताया कि उनकी 10 साल की बच्ची को मोहल्ले के रहने वाला राजकुमार राजभर ने चॉकलेट खिलाने के बहाने अपनी मोटर सायकल से मौर्या टाकिज के पीछे अंडरब्रीज के पास जंगल झाडी में ले गया और उसके साथ गलत काम किया।

शिकायत के बाद एसपी जितेन्द्र शुक्ला के निर्देश पर एएसपी सुखनंदन राठौर और सीएसपी भिलाई नगर सत्यप्रकाश तिवारी के मार्ग दर्शन में सुपेला पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी राजकुमार राजभर को घेराबंदी कर पकड़ा गया। पूछताछ करने पर अपना जुर्म स्वीकार किया। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड में जेल भेजा गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी सुपेला निरीक्षक राजेश मिश्रा, उप निरीक्षक मनीष बाजपेयी, एएसआई खुशबू वर्मा, आरक्षक विकास तिवारी, जुनैद सिद्धीकी, सूर्यप्रताप सिंह, अजय देवांगन का विशेष योगदान रहा।

राजधानी में बैटरी चोर गिरफ्तार, 4 बैटरी और तिरपाल जब्त

रायपुर (ए.)। रायपुर पुलिस ने बैट्ररी चोरों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 4 ट्रक बैटरी और तिरपाल जब्त किए गए हैं।

दरअसल 10 मई को शैलेन्द्र पाल ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 9 मई की शाम 7 बजे बाम्बे एमपी लॉजीस्टीक ट्रांसपोर्ट यार्ड बसंत विहार गोंदवारा रायपुर में ताला लगाकर अपने घर चला गया था। यार्ड के अंदर ट्रक कमांक एमएच 31 एफसी 4462 तथा एमएच 40 एन 5282 खड़ी थी। अगले दिन यार्ड जाकर देखा ट्रकों में लगी 4 बैटरी और 1 नग तिरपाल नहीं था, जिसे कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया हैं कि प्रार्थी कि रिपोर्ट

थाना खमतराई में अपराध कमांक 440/24 धारा 457,380 भादवि कायम कर विवेचना में लिया गया।

विवेचना दौरान आरोपी पता तलाश के जरिये मुखबीर से सूचना मिला कि 02 व्यक्ति गोंदवारा ओवर ब्रिज के पास अपने कब्जे में 04 नग बैटरी छुपाकर रखे है जिसे बेचने के लिए ग्राहक तलाश कर रहे है कि मुखबीर के बताये हुलिया के दोनों व्यक्ति को घेरांबदी कर पकडकर पुछताछ करने पर दोनों व्यक्तियों ने 9 मई को बाम्बे एमपी लॉजीस्टीक ट्रांसपोर्ट यार्ड बसंत विहार गोंदवारा में रखे ट्रक क्रमांक एमएच 31 एफसी 4462 तथा एमएच 40 एन 5282 से 04 नग बैटरी एवं 01 नग तिरपाल को चोरी करना और समान को गोंदवारा ओवर ब्रिज के पास छुपाकर रखना बताये, आरोपियों द्वारा रखे स्थान पर 04 नग बैटरी एवं 01 नग तिरपाल किमती 40,000 रूपये को आरोपियों के कब्जे से जप्त कर आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया।

गिरफ्तार आरोपी में रामेश्वर साय पैकरा पिता रामप्रसाद पैकरा 40 वर्ष साकिन ग्राम रंगारटोली थाना कांसाबेल जिला जशपुर हाल गांधी मैदान के पास चावड़ी थाना कोतवाली जिला रायपुर। बुद्धदु सिंग पिता ईतवारी सिंग 47 वर्ष साकिन ग्राम कुम्हा थाना मवई जिला मण्डला (म.प्र.) हाल पता ओवर ब्रिज के नीचे गोंदवारा थाना खमतराई रायपुर।

तलवारबाजी, पिता-पुत्र समेत 4 घायल

रायपुर (ए.)। राजधानी में शनिवार देर रात तलवारबाजी हुई है। इस हिंसक झड़प में किसी के सिर, नाक और पीठ पर तलवार से चोटें आईं। घटना में पिता-पुत्र समेत 4 लोग घायल हुए हैं। यह पूरा मामला खम्हारडीह थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार, कॉलेज की रंजिश के चलते रायपुर के अवंति विहार स्थित विजय चौक पर देर रात तलवारबाजी हुई। तलवारबाजी में देवेंद्र नगर निवासी पिता, पुत्र समेत 4 लोग घायल हुए। घायल पिता अनीस, बेटा लक्की, फजल और सौरभ को आई चोटें आई है। मामले में घायलों ने उत्पल भट्टाचार्य और उसके बेटे आदर्श भट्टाचार्य समेत उसके साथियों पर तलवारबाजी का आरोप लगाया गया है। घटना में घायलों को अस्पताल ले जाकर इलाज कराया गया। मामले में शिकायत मिलने के बाद खम्हारडीह पुलिस जांच में जुट गई है।

14 साल के मासूम ने दे दी जान, पबजी खेलने से मां ने किया था मना

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में 14 साल के बच्चे द्वारा आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। बच्चा गर्मी की छुट्टियों में अपने नाना के घर पर आया था। शुक्रवार को शाम को अचानक वह घर से गायब हो गया। परिजनों ने काफी तलाश की लेकिन वह नहीं मिला। शनिवार की सुबह पुल के पास नदी में बच्चे का शव मिला। घटना की सूचना के बाद पुलिस पहुंची। जांच में पुलिस को एक सुसाइड नोट भी मिला जिसमें बच्चे ने पबजी खेलने से मना करने का जिक्र किया। फिलहाल पुलिस घटना की जांच में जुट गई है।

मिली जानकारी के अनुसार बनारस के मुगलसराय में रहने वाले

सुनील गुप्ता का छोटा बेटा अभिनव गुप्ता (14) अपनी मां साथ नाना रामदुलारे के घर जगदलपुर लालबाग आया था। बच्चा दिनभर मोबाइल में पबजी गेम में लगा रहता था। उसकी इस आदत से परेशान मां बार बार उसे ठोकती थी। इसके बाद भी वह नहीं माना तो शुक्रवार को उसने बच्चे से मोबाइल ही छीन लिया।

मोबाइल छीनने से नाराज अभिनव शुक्रवार शाम को घर से निकल गया। इसके बाद परिजनों ने काफी खोजबीन की लेकिन वह कहीं नहीं मिला। इस संबंध में परिजनों ने कोतवाली थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने भी बच्चे की खोजबीन शुरू की। इस बीच शनिवार की सुबह कुछ बच्चे जब नदी में नहाने गए तो एक शव को पानी के ऊपर देखा। इसके बाद इसकी सूचना पुलिस तक पहुंची। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकाला और परिजनों को इसकी जानकारी दी। परिजनों ने पहुंचकर शव की शिनाख्त अभिनव के रूप की। इसके बाद शव को पीएम के लिए मेकाज भेजा गया। इधर पुलिस जब घर पर पहुंची और कमरे की जांच की तो एक सुसाइड नोट मिला जिसमें बच्चे ने पबजी गेम खलने से मना करने का जिक्र किया है।

शराब के लिए पैसे नहीं दिए तो बदमाशों ने मारा चाकू

रायपुर (ए.)। राजधानी में बदमाश बेखौफ हैं। शराब पीने के लिए पैसा देने से मना करना एक युवक को भारी पड़ गया। बदमाश ने शराब पीने के लिए पैसा मांगा। युवक के माना करने पर आरोपी ने मारपीट करते हुए चाकू से हमला कर दिया। मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। वहीं दूसरा आरोपी फरार है। मामला रायपुर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है। सोहन वर्मा ने थाना पहुंचकर हसन खान और आसिफ के खिलाफ रिपोर्ट लिखाया है। उसने रिपोर्ट में बताया कि 9 मई की रात लगभग साढ़े आठ बजे सोहन अपने साथी राजू वर्मा के साथ काम करके वापस अपने घर आ रहा था। इस दौरान बदमाश झगडा करने के पैसा लुटने के नियत से रस्ते में आकर अपने बाइक को बीच गली में खड़ा कर दिया। बाइक को हटाने के लिए कहने पर आरोपी ने युवक को गाली गलौच कतरना शुरू कर दिया। साथ ही उसने जान से मारने की धमकी भी दी। इतना ही नहीं बदमाश ने युवक पर चाकू से हमला कर दिया। प्रार्थी सूचना पुलिस को देने के लिये वहां से निकल रहा था। इस दौरान आरोपी हसन खान अपने साथी आसिफ के साथ मिलकर प्रार्थी के दोस्त राजू वर्मा को भी धमकी देने लगे। बदमाशों ने मिलकर युवक से शराब पीने के लिए पैसों की मांग करने लगे। युवक के मना करने पर बदमाशों ने उससे मारपीट करने लगे। साथ ही अपने पास रखे चाकू से हमला कर दिया। इससे प्रार्थी और उसके साथी को चोट आई। मामले में पुलिस ने पंडरी निवासी आरोपी हसन खान को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं फरार आरोपी आसिफ की खोजबीन जारी है।

Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RAKESH SINGH
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
पुष्पांजलि स्वीट्स के बाजू में, कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई

भारतीय बैग हाउस
V.I.P happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

खास - खबर

मतगणना प्रशिक्षण 16 मई को बीआईटी ऑडिटोरियम में

दुर्ग। लोकसभा निर्वाचन 2024 के मतगणना के प्रशिक्षण के संबंध में उप जिला निर्वाचन अधिकारी, रिटर्निंग ऑफिसर, सहायक रिटर्निंग ऑफिसर, मतगणना सहायक रिटर्निंग ऑफिसर, प्रत्येक विधानसभा हेतु 02 मास्टर ट्रेनर एवं जिले के टेबुलेशन प्रभारी अधिकारी (एआरओ) 01, पोस्टल बैलेट नोडल अधिकारी 01, ईवीएम नोडल अधिकारी 01, सुरक्षा नोडल अधिकारी 01 एवं प्रोग्रामर 01 के लिए मतगणना प्रशिक्षण संभाग मुख्यालयों में आयोजित किया गया है। दुर्ग जिले के 53 और बेमेतरा जिले के 25 प्रशिक्षणार्थियों के लिए प्रशिक्षण 16 मई को प्रात: 10 बजे से बीआईटी ऑडिटोरियम में आयोजित की गई है। रिसोर्स पर्सन गीता दीवान एनएलएमटी, सहायक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रूपेश कुमार वर्मा एवं रश्मि वर्मा, सहायक प्रोग्रामर छाया साहू रहेगी। प्रशिक्षण कार्य के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अश्वनी देवांगन को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। सहायक नोडल अधिकारी जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद कुमार मिश्रा को नियुक्त किया गया है। सम्पूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम के सुचारू संपादन के लिए बीआईटी प्राचार्य को प्रशिक्षण स्थल बीआईटी ऑडिटोरियम का दायित्व दिया गया है। सत्कार अधिकारी को सर्किट हाउस में आवश्यकतानुसार ठहरने की व्यवस्था संबंधित प्रशिक्षणार्थियों को सूचना एवं समन्वय कार्य के लिए, सामग्री व्यवस्था के लिए सहायक ग्रेड 3 कृष्ण कुमार देवांगन, करारोपण अधिकारी प्रकाश साहू, सहायक ग्रेड 2 उत्तम साहू, तकनीकी व्यवस्था के लिए जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी एल.बी.सिंह, सहायक प्रोग्रामर छाया साहू, ई डिस्ट्रीक्ट मैनेजर श्रुति अग्रवाल, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) को बैठक व्यवस्था, खाद्य नियंत्रक सी.पी.दीपांकर को भोजन व्यवस्था, ईवीएम/वीवीपैट व्यवस्था तथा प्रशिक्षण हेतु नोडल अधिकारी लवकेश ध्रुव को दायित्व सौपा गया है।

श्री गुरु संघ के इंचार्ज स्वामी स्वपन दास ने देहदान की घोषणा की

दुर्ग। सेक्टर 6 स्थित श्री गुरु संघ के इंचार्ज स्वामी स्वपन दास ने अपनी देहदान की घोषणा कर वसीयत नवदृष्टि फाउंडेशन के सदस्य कुलवंत भाटिया,राज आढ़तिया,राजेश पारख, हरमन दुलाई को सौंपी श्री गुरु संघ के सदस्य अरुण चक्रवती,दुर्गा प्रसाद,श्री शंकर देव देहदान के साक्षी बने। स्वामी जी ने कहा वो देश के सभी हिस्सों में भक्तों से मिलने जाते हैं एवं लोगों को सतकर्म करने के उपदेश देते हैं अब वो जंहा भी जाएंगे प्रवचन के माध्यम से देहदान, नेत्रदान एवं त्वचा दान के सम्बन्ध में लोगों जागरूक करेंगे स्वामी जी ने कहा कई सालों से उनके मन में देहदान की इच्छा थी किन्तु उचित माध्यम नहीं मिला अब नवदृष्टि फाउंडेशन के सहयोग से संभव हुआ स्वामी जी ने कहा इंसान के मरने के बाद उसका शरीर खाक में मिल जाता है यदि देहदान करें तो कई लोगों का भला हो सकता है यही सच्चा धर्म है। स्वामी स्वपन दास जी ने कहा यदि उनका ब्रेन डेड होता है तो उनके सभी ऑर्गन डोनेट कर दिए जाएं जिस से बहुत लोगों को नया जीवन मिल सके। राजेश पारख ने कहा स्वामी जी के देश विदेश में बहुत भक्त हैं स्वामी जी के देहदान से सभी लोगों में सकारात्मक सन्देश जाएगा। नवदृष्टि फाउंडेशन के मंगल अग्रवाल ने कहा हमारी संस्था लगतार लोगों को जागरूक करने का प्रयास कर रही है जिसके सकारात्मक परिणाम आ रहे हैं व लोगों की देहदान व नेत्रदान , त्वचादान हेतु सोच बदली है अब लोग स्वस्फूर्त ही देहदान व नेत्रदान हेतु सामने आ रहे हैं एवं यदि कोई देहदान या त्वचादान हेतु सहयोग या मार्गदर्शन चाहता है तो हमारी संस्था के सदस्यों से सहयोग ले सकता है।

बिना हेलमेट पुलिस वेलफेयर पेट्रोल पंप में आम लोगों को नहीं मिलेगा पेट्रोल

यातायात जागरूकता को लेकर दुर्ग पुलिस का फॉलो गुड हैबिट्स 21 डेज चैलेंज

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शहर में पुलिस वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा संचालित पेट्रोल पंपों में आम लोगों को पेट्रोल व डीजल नहीं दिया जाएगा। इसे लेकर जिले के में पुलिस वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा संचालित सेक्टर 6, भिलाई -3 और नेवई के पुलिस पेट्रोल पंप पर पहले से सूचना चस्पा किया गया है। दरअसल दुर्ग पुलिस ने यह कदम एक अभियान के तहत उठाया है। वाहन चालकों के लिए हेलमेट और सीट बेल्ट की अनिवार्यता को लेकर दुर्ग पुलिस ने फिर एक बार आज से अभियान शुरू किया है। इस बार अभियान का थीम फॉलो गुड हैबिट्स 21 डेज चैलेंज रखा गया है।

इस थीम का पोस्टर आज एसपी जितेन्द्र शुक्ला ने लांच किया। उन्होंने दुपहिया व चारपहिया वाहन चालकों को आज से 21 दिन तक हेलमेट व सीट बेल्ट अपनाने के प्रति जागरूक किया है। एसपी का मानना है कि 21 दिन तक लगातार हेलमेट व सीट बेल्ट अपनाने से इसकी आदत बन जाएगी।

फॉलो गुड हैबिट्स 21 डेज चैलेंज अभियान का आगाज होने के साथ ही आज से दुर्ग पुलिस ने अपने द्वारा संचालित पेट्रोल पंपों पर बिना हेलमेट दुपहिया और सीट बेल्ट नहीं अपनाने वाले चार पहिया वाहन चालकों को इंधन देना बंद कर दिया है।

हेलमेट व सीटबेल्ट लगाने वालों को दिया गया ईंधन

पुलिस वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा संचालित तीनों ही पेट्रोल पंप में शनिवार से हेलमेट पहनकर आने वाले दुपहिया और सीट बेल्ट बांधकर आए चार पहिया वाहन चालकों को ही पेट्रोल व डीजल दी गई। एसपी जितेन्द्र शुक्ला ने बताया कि ऐसा निर्णय आज से सिर्फ पुलिस द्वारा संचालित जिले के तीन पेट्रोल पंपों में लागू किया गया है। इससे राजस्व में कमी होने की कोई परवाह नहीं है। निजी पेट्रोल पंपों पर इसे लागू करने का निर्णय वहां के मालिकों के स्वविवेक पर छोड़ दिया गया है।

फॉलो गुड हैबिट्स 21 डेज चैलेंज से बदलेगी मानसिकता

एसपी शुक्ला ने बताया कि समय-समय पर पुलिस द्वारा चलाए जाने वाले जागरूकता अभियान के चलते काफी वाहन चालक हेलमेट व सीट बेल्ट अपनाने लगे हैं। लेकिन अभी भी अनेक वाहन चालकों में हेलमेट और सीट बेल्ट अपनाने के प्रति उदासीनता बनी हुई है। ऐसे लोगों को फिर एक बार जागरूक करने फॉलो गुड हैबिट्स 21 डेज चैलेंज अभियान आज से शुरू किया जा रहा है। इस दौरान ट्रैफिक पुलिस सड़क पर तैनात होकर वाहन चालकों को जागरूक करने में लगी रहेगी। इससे लोगों की मानसिकता में बदलाव आएगा। कार्यक्रम के दौरान एएसपी भिलाई शहर सुखनंदन राठौर, एएसपी दुर्ग शहर अभिषेक झा, एएसपी ग्रामीण वेदव्रत सिरमौर और डीएसपी ट्रैफिक सतीश ठाकुर विशेष रूप से उपस्थित थे।

एसपी ने लॉन्च किया पोस्टर

एसपी जितेन्द्र शुक्ला के कार्यालय में शनिवार को एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। एसपी जितेन्द्र शुक्ला सहित अधिकारियों ने कार्यक्रम में यातायात जागरूकता के लिए एक पोस्टर लांच किया। इस पोस्टर में दुपहिया वाहन चालकों के लिए 21 दिन तक अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनने की अपील की गई है। ऐसी ही अपील चार पहिया वाहन चालकों के लिए सीट बेल्ट अपनाने को लेकर किया गया है। एसपी जितेन्द्र शुक्ला ने बताया कि वाहन चलाते समय चालक के हेलमेट व सीट बेल्ट पहने रहने से दुर्घटना में जान का जोखिम कम रहता है।

जे भागवत ने एशियन इक्विप्ड पॉवरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में जीता कांस्य पदक

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की पावर लिफ्टिंग टीम के पावर लिफ्टर जे भागवत राव ने चीन के हाँगकाँग में दिनांक 5 से 11 मई 2024 के मध्य आयोजित एशियन इक्विप्ड पॉवरलिफ्टिंग चैम्पियनशिप 2024 में कांस्य पदक जीतकर देश व प्रदेश का नाम रौषन किया है।

जे भागवत ने सीनियर कैटेगरी में भारतीय टीम की ओर से 66 किलोग्राम वर्ग में कुल 522.5 किलोग्राम (स्क्वाट-190 किलोग्राम, बेंचप्रेस-137.5 किलोग्राम, डेडलिफ्ट-195 किलोग्राम) लिफ्ट कर भारत देश को कांस्य पदक दिलाने में सफलता प्राप्त की।

उल्लेखनीय है कि बीएसपी टीम से खेलने वाले भागवत राव, कई राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतकर देश, प्रदेश एवं भिलाई इस्पात संयंत्र का नाम रोशन कर रहे हैं। भागवत राव ने प्रथम बार अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में पदक जीतने सफलता प्राप्त की है।

माननीय खेल और युवा कल्याण मंत्री, छत्तीसगढ़ सरकार टंकराम वर्मा, खेल एवं युवा कल्याण विभाग, छत्तीसगढ़ शासन के निदेषक, भिलाई इस्पात संयंत्र के क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, छत्तीसगढ़ पॉवरलिफ्टिंग संघ के समस्त पदाधिकारी एवं पॉवरलिफ्टर, छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ सहित छत्तीसगढ़ के समस्त खेल प्रेमियों ने भागवत राव को उनकी इस उपलब्धि के लिए बधाई दी हैं।

एशियन इक्विप्ड पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप 2024 का आयोजन एशियन पावरलिफ्टिंग फेडरेशन द्वारा 05 से 11 मई 2024 तक चीन के हांगकांग में क्वीन एलिजाबेथ स्टेडियम में किया गया था। सप्ताह भर चलने वाली इस प्रतिष्ठित चैंपियनशिप में विभिन्न देशों के पावर लिफ्टरों ने भाग लिया था।

कलेक्टर से मिला भिलाई चेम्बर का प्रतिनिधि मंडल, सुपेला अंडरब्रिज जल्द शुरू करने रखी मांग

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफकॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज भिलाई इकाई सतत व्यापारियों के हित के लिए सक्रियता से अपनी जिम्मेदारी निभा रही है। इसी कडी में आज महामंत्री अजय भसीन के नेतृत्व में भिलाई चेम्बर का एक दल शनिवार को जिलाधीश ऋचा प्रकाश चौधरी से मिला। इस दौरान सुपेला में बने अंडर ब्रिज को जल्द से जल्द शुरू करने की मांग रखी।

इस दौरान चेंबर के प्रदेश महामंत्री अजय भसीन ने आवेदन के माध्यम से कलेक्टर से कहा कि सुपेला अंडर ब्रिज जल्दी आवागमन के लिए प्रारम्भ किया जाए। भिलाई चेम्बर ने अपने आवेदन में जिक्र किया कि सुपेला अंडर ब्रिज प्रारम्भ होगा तो सेक्टर एरिया के ग्राहक सुपेला मार्केट की ओर रुख करेंगे। ब्रिज प्रारम्भ न होने की वजह से सुपेला क्षेत्र का व्यापार स्थिर है ब्रिज आवागमन से व्यापार में वृद्धि होगी। चेम्बर के इस आवेदन को स्वीकार करते हुए ऋचा प्रकाश जी ने जल्द ही ब्रिज प्रारम्भ करने का आश्वासन दिया।

दुकानों के नियमितिकरण भी रखी मांग

भिलाई चेम्बर द्वारा कलेक्टर से दुकानों के नियमितीकरण के विषय मे भी आवेदन दिया गया। महामंत्री अजय भसीन ने बताया कि आवेदन में हमने नियमितीकरण के लेकर व्यापारियों को हो रही परेशानियो से अवगत कराया। आवदेन के माध्यम से चेम्बर द्वारा मांग की गई कि नियमितीकरण प्रक्रिया को जल्द पूर्ण किया जाए। नियमितीकरण न होने की वजह से लीज प्रकिया में व्यापारियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।कलेक्टर ने इस प्रकरण पर भी जल्द निराकरण और नियमितीकरण जल्द पूर्ण कराने का आश्वासन दिया।

मतदान जागरुकता के लिए दी बधाई

कलेक्टर से मुलाकात के दौरान चेंबर की ओर से अजय भसीन ने जिले में बढ़े मतदान प्रतिशत पर जिलाधीश महोदया को बधाई दी।इस मौके पर अजय भसीन ने कहा कि चेम्बर द्वारा चलाए गए अभियान पहले मतदान फिर दुकान से व्यापारियों में मतदान को लेकर जागरूकता आई। व्यापारियों ने तो मतदान किया उन्होंने अपने स्टाफव उसके परिवार एवम अपने ग्राहकों को भी मतदान के लिए प्रेरित किया। व्यापारियों के प्रयास मतदान के प्रतिशत को बढ़ाने में सहायक हुए। मतदान प्रतिशत बढ़ने से प्रशासन भी चेम्बर के कार्यो से प्रसन्न है।

इस मौके पर कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने भी चेम्बर व अजय भसीन की सक्रियता की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि चेंबर अपने सतत सक्रिय भूमिका से व्यापारियों व प्रशासन के मध्य महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। कलेक्टर से मुलाकात के दौरन अजय भसीन के साथ विनय सिंह, सुनील मिश्रा, पवन जिंदल, प्रेम रतन गहलोत, रिंकू अग्रवाल, जय कुमार व सदस्य उपस्थित थे। यह जानकारी शंकर सचदेव ने दी।

बीएसपी द्वारा ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर-2024 का आयोजन शुरू

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। हर साल की तरह इस साल भी भिलाई इस्पात संयंत्र के क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं विभाग द्वारा, स्कूली बच्चों हेतु ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर आयोजित की जा रही है। इसके लिए 11 मई, 2024 से रजिस्ट्रेशन शुरू हो चुका है तथा कुछ खेलों के प्रशिक्षण भी प्रारंभ हो चुके हैं। ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का औपचारिक उद्घाटन 15 मई 2024 के उपरांत किया जाएगा, जिसकी विधिवत् घोषणा की जायेगी।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर-2024 में शामिल 25 खेलों का प्रशिक्षण, विभिन्न खेल परिसरों, शालाओं के हॉल एवं क्रीड़ागणों में प्रदान किया जायेंगे। 25 खेलों की सूची निम्न है-एथलेटिक्स, बैडमिन्टन, बॉल बैडमिन्टन, बास्केटबॉल, बॉक्सिंग, षतरंज, क्रिकेट, फुटबॉल, हैंण्डबॉल, हॉकी, कराटे, जूडो, पावर लिफ्टिंग, कबड्डी, टेनिस, टेबल टेनिस, वालीबॉल, योगा, सायकल पोलो, कराटे, फेंसिंग, जिम्नास्टिक, खो-खो, नेटबॉल, भारोत्तोलन तथा कुष्ती। इस प्रषिक्षण शिविर में विभिन्न खेलों में खिलाड़ियों को अनुभवी प्रशिक्षकों (कोच) द्वारा प्रशिक्षित किया जाता है। ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर-2024 का समापन 10 जून, 2024 को सम्भावित है। ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर-2024 के लिये सभी संबंधित ग्राउंड्स/स्टेडियम में खिलाड़ियों का पंजीयन 11 मई, 2024 से 15 मई, 2024 तक प्रात: 6:00 बजे से 7:30 बजे तक किया जायेगा। अब तक ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर-2024 के लिए, सेक्टर-1 क्रिकेट ग्राउंड में 65 लड़के और 10 लड़कियों का प्रशिक्षण प्रारंभ हो चुका है। जिम्नास्टिक खेल परिसर सेक्टर-4 में 31 विद्यार्थियों को तथा भिलाई विद्यालय सेक्टर-2 नेटबॉल ग्राउंड में 20 बालक और 10 बालिकाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। साथ ही पावरलिफ्टिंग के लिए पावर जिम सेक्टर-6, बैडमिंटन इंडोर स्टेडियम में भी प्रशिक्षण प्रारंभ हो चुका है।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रषिक्षण षिविर-2024 के 25 खेलों एवं षिविर हेतु विभिन्न खेल परिसरों की सूची निम्नलिखित है। एथलेटिक्स प्रशिक्षण शिविर का आयोजन जयंती स्टेडियम एवं आईटीआई-खुर्सीपार में, बैडमिन्टन प्रशिक्षण शिविर का आयोजन इन्डोर स्टेडियम, इंदिरा प्लेस में, बॉल बैडमिन्टन प्रशिक्षण शिविर का आयोजन बॉल बैडमिन्टन ग्राउंड, सेक्टर-4 में, बास्केटबॉल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन बास्केटबॉल कोर्ट, पंत स्टेडियम, सेक्टर-1 में तथा बॉक्सिंग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन सेक्टर-2 इस्पात क्लब, सेक्टर-8 इस्पात क्लब, इन्डोर स्टेडियम, सेक्टर-1 इस्पात क्लब। इसी प्रकार शतरंज प्रशिक्षण शिविर का आयोजन सीनियर सेकेण्डरी स्कूल सेक्टर-5 के हॉल में, क्रिकेट प्रशिक्षण शिविर का आयोजन सेक्टर-1 इस्पात क्लब एवं बीएसपी क्रिकेट ग्राउंड, इंदिरा प्लेस में, टेनिस प्रशिक्षण शिविर पंत स्टेडियम तथा बीएसपी टेनिस कॉम्पलेक्स, सिविक सेंटर में, टेबल टेनिस प्रशिक्षण शिविर का आयोजन इन्डोर स्टेडियम, इंदिरा प्लेस, इस्पात क्लब-खुर्सीपार में किया जाएगा।

बीएसपी द्वारा कौशल विकास योजना के अंतर्गत सिलाई प्रशिक्षण का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र का सीएसआर विभाग, अपने सामाजिक उत्तरदायित्व के विभिन्न गतिविधियों और कर्तव्यों का निर्वहन करता रहा है। इसी क्रम में भिलाई इस्पात संयंत्र के सीएसआर द्वारा, 11 मई 2024 को सीएसआर विभाग के सेक्टर 5 ऑफिस में महिला सशक्तिकरण के तहत, सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि, महाप्रबंधक (शिक्षा) श्रीमती शिखा दुबे थी। यह सिलाई प्रशिक्षण, महिला सशक्तिकरण एवं कौशल विकास योजना के अंतर्गत दिया जा रहा है। इस सिलाई प्रशिक्षण में भिलाई एवं आसपास की लगभग 35 गरीब ग्रामीण महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जायेगा। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 90 दिनों तक दिया जायेगा। श्रीमती शिखा दुबे ने अपने उद्बोधन में प्रशिक्षु महिलाओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा, कि इस प्रशिक्षण के द्वारा सभी महिलाएं अपने कौशल का विकास करें। उन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने और अपने परिवार में आर्थिक योगदान देने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का स्वागत उद्बोधन महाप्रबंधक (सीएसआर) शिवराजन नायर द्वारा दिया गया। कार्यक्रम में प्रशिक्षु महिलाओं एवं प्रशिक्षिका श्रीमती परविंदर कौर ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ प्रबंधक (सीएसआर) सुशील कुमार कामड़े द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन उप प्रबंधक (सीएसआर)के के वर्मा द्वारा किया गया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950